नैतिक शिक्षा

1 वर दे, वीणावादिनि वर दे!

प्रश्न-अभ्यास

प्रश्न 1. 'अन्ध उर' का अर्थ स्पष्ट करो।

उत्तर- 'अन्ध' शब्द का अर्थ है–अंधेरा। 'उर' शब्द का अर्थ है–हृदय। यहाँ 'अन्ध उर' का अर्थ है–हृदय में भरा अज्ञान रूपी अंधेरा। कवि कहना चाहता है कि सैकड़ों वर्षों की दासता के कारण भारतवासियों के हृदय में जो अज्ञानता रूपी अंधेरा भरा है, माँ सरस्वती उस अज्ञानता को नष्ट कर दे।

प्रश्न 2. वीणावादिनि से क्या-क्या वर माँगे गए हैं?

उत्तर- वीणावादिनि से कवि द्वारा निम्नलिखित वर माँगे गए हैं–

(i) भारतवर्ष में अमृत रूपी मंत्र के समान स्वतंत्रता का स्वर भरना।
(ii) अज्ञान भरे हृदयों के विभिन्न बंधनों को काटना।
(iii) भारतवासियों को रूढ़ियों से मुक्त करना।
(iv) प्रकाश रूपी ज्ञान का झरना बहाकर समस्त संसार को प्रकाशित करना।
(v) भारतवासी रूपी पक्षियों को नवीन गति प्रदान करना।
(vi) भारतवासियों को नवकंठ और गंभीर स्वर प्रदान करना आदि।

प्रश्न 3. वन्दना की किस पंक्ति में संसार को रोशन करने का वर माँगा गया है?

उत्तर- वन्दना की निम्नलिखित पंक्ति में संसार को रोशन करने का वर माँगा गया है–

"कलुष-भेद-तम हर प्रकाश भर
जगमग जग कर दे!"

परीक्षोपयोगी अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्न

वस्तुनिष्ट प्रश्न

प्रश्न 1. वीणावादिनि किसे कहा गया है और क्यों?

उत्तर- वीणावादिनि सरस्वती माता को कहा जाता है क्योंकि सरस्वती माता अपने दो हाथों में वीणा को धारण किए हुए है।

प्रश्न 2. कवि ने स्वतंत्रता के स्वर को किसके समान बताया है?

उत्तर- अमृत-मंत्र के समान।

प्रश्न 3. कवि किसे जगमग करने की कामना करता है?

उत्तर- जग (संसार) को।

प्रश्न 4. 'जलद-मन्द्ररव' शब्द का अर्थ लिखिए।

उत्तर- बादलों का गंभीर स्वर (गर्जना)।

प्रश्न 5. प्रार्थना होते हुए भी इस गीत से मुख्यतः किस रस का प्रस्फुरण होता प्रतीत होता है?

उत्तर- प्रार्थना होते हुए भी इस गीत से मुख्यतः वीर रस का प्रस्फुरण होता प्रतीत होता है।

बहु-विकल्पीय प्रश्नोत्तर

1. 'वर दे! वीणा वादिनि वर दे!' वन्दना-गीत के रचयिता हैं–

(A) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'
(B) महादेवी वर्मा
(C) जयशंकर प्रसाद
(D) सुमित्रानंदन पंत

उत्तर- (A) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'।

2. **वीणावादिनि है–**
(A) लक्ष्मी माँ (B) सरस्वती माँ
(C) पार्वती माँ (D) दुर्गा माँ
उत्तर– (B) सरस्वती माँ।

3. **'प्रिय स्वतंत्र-रव, अमृत-मंत्र नव' कवि कहाँ भरवाना चाहता है–**
(A) संसार में (B) ब्रह्मांड में
(C) भारत में (D) वातावरण में
उत्तर– (C) भारत में।

4. **कवि सरस्वती माता से कैसे निर्झर बहाने की प्रार्थना करता है?**
(A) पानी के (B) अमृत के
(C) संपति के (D) ज्योति के
उत्तर– (D) ज्योति के।

5. **कवि माता से कैसे तम को हरकर जगमग प्रकाश भर देने की प्रार्थना कर रहा है?**
(A) कलुष (B) अज्ञान
(C) घृणित (D) वीभत्स
उत्तर– (A) कलुष।

6. **गीत में निम्नलिखित में से किसके साथ 'नव' विशेषण नहीं लगा है–**
(A) गति (B) उर
(C) लय (D) ताल-छन्द
उत्तर– (B) उर।

7. **'विहग' शब्द का अर्थ है–**
(A) सवेरा (B) शाम
(C) पक्षी (D) आकाश
उत्तर– (C) पक्षी।

8. **'जननि' शब्द का अर्थ नहीं है–**
(A) माता (B) जन्मदात्री
(C) माँ (D) अधिष्ठात्री
उत्तर– (D) अधिष्ठात्री।

□□□

2 स्वास्थ्य और योग

प्रश्न-अभ्यास

प्रश्न 1. योग का अर्थ स्पष्ट करो।
उत्तर– 'योग' शब्द का अर्थ है–जोड़ना। शरीर, मन और आत्मा को जोड़ने का काम योग करता है। यह हमें चिंता तथा तनाव से मुक्त करते हुए हमारी कमजोरी क्रोध, ईर्ष्या आदि नकारात्मक भावनाओं को दूर करता है।

प्रश्न 2. योग का सम्बन्ध सम्पूर्ण मानवता से है–उदाहरण सहित लिखो।
उत्तर– योग एक सुपरिभाषित दर्शन तथा समग्रता पर आधारित लक्ष्य का विषय है। यह मनुष्य को महान बनाने का कार्य करता है। इसका संबंध समस्त मानवता के लाभ के लिए है। उदाहरण के लिए–इस्लाम धर्म में नमाज आसन एवं ध्यान पर आधारित प्रार्थना पद्धति है। पाँच वक्त का नमाजी प्राय: रोगमुक्त रहता है।

प्रश्न 3. ईसाई मत के अनुसार योग में कौन-सी क्रियाएँ शामिल हैं?
उत्तर– ईसाई मत के अनुसार योग के अन्तर्गत–(*i*) उपवास को महत्त्व देना, (*ii*) इन्द्रियों का दास न बनना, (*iii*) ईश्वर के अस्तिव में विश्वास करना तथा (*iv*) सत्कर्म करते हुए ईश्वर में विलीन हो जाना आदि क्रियाएँ शामिल हैं।

प्रश्न 4. 'योग: कर्मसु कौशलम्' की व्याख्या करो।
उत्तर– 'योग: कर्मसु कौशलम्' उक्ति 'श्रीमद्भागवद्गीता' से उद्धृत है। इस उक्ति के अनुसार कर्म करने की एक प्रकार की विशेष युक्ति को योग कहते हैं। वैसे तो दिनभर हम जो भी कार्य करते हैं, उसमें हमारे शरीर के विभिन्न अंगों का अभ्यास होता है, परन्तु वह योग नहीं है। वस्तुत: योगाचार्यों द्वारा बताई गई विशेष युक्तियों द्वारा शारीरिक अंगों के अभ्यास को योग कहा जाता है।

प्रश्न 5. अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस कब मनाया जाता है?

उत्तर– अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस प्रतिवर्ष 21 जून को मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र संघ ने वर्ष 2014 में 21 जून को अन्तरराष्ट्रीय योग-दिवस घोषित किया था।

प्रश्न 6. मानव के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए योग वरदान है। कैसे? स्पष्ट करो।

उत्तर– योग करने से शरीर के समस्त अंग-प्रत्यंग तथा ग्रंथियों का विकास होता है तथा ये सभी सुचारु रूप से कार्य करने लगते हैं। योग से मनुष्य की रोगों से लड़ने की शक्ति बढ़ती है। इसके कारण मनुष्य बुढ़ापे में भी जवान बना रह सकता है। यह हमारे शरीर को स्वस्थ, नीरोग तथा बलवान बनाता है। इसी प्रकार योग करने से हमारी तमाम नकारात्मक भावनाओं; जैसे क्रोध, ईर्ष्या, दंभ, तनाव आदि का शमन होता है और हमारे अन्दर प्रसन्न रहने की वृत्ति का निर्माण होता है। अतः हम कह सकते हैं कि योग मानव के शारीरिक और मानसिक दोनों के विकास के लिए वरदान है।

प्रश्न 7. जिम जाने व स्वयं योगासन करने की प्रक्रिया में से आप किसको अधिक पसन्द करते हैं और क्यों?

उत्तर– जिम जाने व स्वयं योगासन करने की प्रक्रिया में से मैं स्वयं योगासन करना अधिक पसंद करता हूँ क्योंकि जिम जाने से शरीर के किसी खास अंग का ही व्यायाम होता है, जबकि स्वयं योगासन करने से शरीर के समस्त अंग-प्रत्यंग व ग्रंथियों का व्यायाम होने के साथ-साथ मेरा मानसिक व आध्यात्मिक व्यायाम भी होता है। योगासन से मेरा शरीर रोगमुक्त तथा चित्र प्रसन्न रहता है जबकि जिम जाने वालों का शरीर कहीं-न-कहीं से दुखता रहता है। जिम जाकर व्यायाम करना आर्थिक रूप से बहुत महँगा भी पड़ता है।

प्रश्न 8. योगाभ्यास सहनशक्ति के विकास में किस प्रकार सहायक है?

उत्तर– प्रतिदिन योगाभ्यास करने से हमारा शरीर चिंता एवं तनाव से मुक्त हो जाता है। योग करने से हमारी अनेक नकारात्मक भावनाएँ; जैसे कमजोरी, क्रोध, ईर्ष्या आदि समाप्त हो जाती हैं। साथ ही हमारे अंदर प्रसन्न रहने की वृत्ति का विकास होता है। इस प्रकार योगाभ्यास हमें दुःख से बाहर निकालकर हमारी सहनशक्ति को बढ़ाता है।

प्रश्न 10. योग आधुनिक जीवन शैली की माँग है, विषय पर अपने विचार लिखो।

उत्तर– आज का मनुष्य जिस जीवन-शैली को अपनाकर अपनी जीवन व्यतीत कर रहा हैए वह न तो उसके शरीर और स्वास्थ्य के अनुकूल है, न उसके मस्तिष्क और मन को शांति पहुँचाने वाली है। आमतौर पर अधिकांश मनुष्यों का जीवन आपा-धापी और भाग-दौड़ का शिकार है। फलतः वह रोगग्रस्त, चिंतित एवं तनावग्रस्त रहता है। तरह-तरह की दवाइयाँ उसे कुछ हद तक आराम तो पहुँचाती हैं परंतु उसकी समस्याओं का अंत नहीं करती। अतः ऐसे समय में योग ही वह मार्ग है जिसे मनुष्य अपनी आधुनिक जीवन-शैली का अंग बनाकर अपने शरीर को ऊर्जावान, तरोताजा, रोग, चिंता एवं तनाव से मुक्त रख सकता है।

pdfkoo.com

परीक्षोपयोगी अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्न

वस्तुनिष्ट प्रश्न

प्रश्न 1. इस्लाम मत के अनुसार योग क्या है?

उत्तर– इस्लाम मत के अनुसार योग नमाज, आसन एवं ध्यान पर आधारित प्रार्थना पद्धति है। पाँच वक्त का नमाजी प्रायः रोगमुक्त रहता है।

प्रश्न 2. योग के विषय में आज के चिकित्सा शोधों ने क्या सिद्ध किया है?

उत्तर– योग के विषय में आज के चिकित्सा शोधों ने यह सिद्ध किया है कि योग मानव के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए वरदान है।

प्रश्न 3. योगासन करते समय ध्यान रखने योग्य किन्हीं दो बातों का उल्लेख करो।

उत्तर– योगासन करते समय निम्नलिखित बातें का ध्यान रखना चाहिए–

1. आसन करने का स्थान खुला हो और भूमि समतल हो।
2. योगसन करते समय ढीले वस्त्र पहनने चाहिए।
3. ज़मीन पर दरी आदि बिछाकर योग करें।
4. आसन के तुरन्त बाद पानी नहीं पीना चाहिए।
5. योगासन करने वालों को बीड़ी, सिगरेट, शराब, तुम्बाकू आदि के सेवन से बचना चाहिए।

बहु-विकल्पीय प्रश्नोत्तर

1. 'योग' शब्द का अर्थ है–
   (A) जोड़ना (B) तोड़ना
   (C) आसन (D) प्राणायाम
   उत्तर– (A) जोड़ना।
2. योग का लाभ है–
   (A) तनाव मुक्ति (B) चिंता का शमन
   (C) उत्तम स्वास्थ्य (D) उपर्युक्त सभी
   उत्तर– (D) उपर्युक्त सभी।
3. किस भारतीय संत कवि का पूरा साहित्य ही योग पर आधारित है–
   (A) रैदास (B) दादूदयाल
   (C) कबीरदास (D) गुरुनानक
   उत्तर– (C) कबीरदास।
4. 'योग: कर्मसु कौशलम' उक्ति किस ग्रंथ में संकलित है–
   (A) श्रीमद्भगवगीता (B) रामायण
   (C) पुराण (D) वेद
   उत्तर– (A) श्रीमद्भगवगीता।
5. योग का प्रयोग किस लाभ के लिए हमेशा से होता रहा है?
   (A) शारीरिक (B) मानसिक
   (C) आध्यात्मिक (D) उपर्युक्त सभी
   उत्तर– (D) उपर्युक्त सभी।
6. किस वर्ष संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग-दिवस घोषित किया गया?
   (A) 2012 ई० (B) 2014 ई०
   (C) 2015 ई० (D) 2016 ई०
   उत्तर– (B) 2014 ई०।
7. 'लाइट ऑन योग' पुस्तक के रचयिता है–
   (A) बी. के. एस. आयंगर
   (B) स्वामी रामदेव
   (C) स्वामी कुवलयानन्द
   (D) महर्षि महेश योगी
   उत्तर– (A) बी. के. एस. आयंगर

□□□

3 मीठी वाणी (सूक्तियाँ)

प्रश्न-अभ्यास

प्रश्न 1. मीठा बोलने का जीवन में क्या प्रभाव देखने को मिलता है? लिखो।

उत्तर– मीठा बोलने का जीवन में बड़ा ही अद्भुत और चमत्कारिक प्रभाव देखने को मिलता है। मीठे वचनों को सुनकर सभी जीव प्रसन्न होते हैं। मीठी वाणी से चारों ओर सुख उत्पन्न होता है। मीठे वचनों को सुनकर व्यक्ति का अभिमान उसी प्रकार नष्ट हो जाता है जैसे शीतल जल डालने से दूध का उफान मिट जाता है।

प्रश्न 2. पाठ के अनुसार तिरुवल्लुवर के वाणी सम्बन्धी विचारों को स्पष्ट करो।

उत्तर– तिरुवल्लुर ने वाणी संबंधी अपने विचारों को व्यक्त करते हुए कहा है कि जो व्यक्ति अपने विचारों को सजाकर मधुर ढंग व्यक्त करने का सामर्थ्य रखता है, संसार शीघ्रता से उसके आदेशों का पालन करता है।

प्रश्न 3. "वचने का दरिद्रता" सूक्ति का अर्थ लिखो।

उत्तर– 'वचने का दरिद्रता' सूक्ति के माध्यम से चाणक्य कहना चाहते हैं कि संसार के समस्त जीव मीठी वाणी को सुनकर प्रसन्न होते है। अत: हमें मीठे वचन बोलने में किसी प्रकार की कंजूसी नहीं बरतनी चाहिए।

प्रश्न 4. मधुर वाणी की तुलना दवा से क्यों की गई है?

उत्तर– मधुर वाणी की तुलना दवा से इसलिए की गई है क्योंकि जिस प्रकार बीमार या घायल व्यक्ति दवा खाकर स्वस्थ

हो जाता है, उसी प्रकार परेशान तथा व्यथित व्यक्ति मीठे वचनों को सुनकर अपनी परेशानी तथा व्यथा को भूलकर शांति का अनुभव करता है।

प्रश्न 5. वाणी से किए घाव को हम कैसे भर सकते हैं? सिद्ध करो।

उत्तर– वाणी से किए गए घाव को हम मीठी वाणी बोलकर भर सकते हैं। जब कोई व्यक्ति किसी के द्वारा कटुवचन या अपशब्द कहे जाने पर आहत हो जाता है तो वह किसी दवाई से ठीक नहीं हो सकता। उसके हृदय का वह घाव तभी भरा जा सकता है जब कटुवचन या अपशब्द कहने वाला व्यक्ति उससे मीठे तथा विनम्र शब्दों में माफी माँग ले।

प्रश्न 6. बोलने से पहले तोलना क्यों जरूरी होता है?

उत्तर– बोलने से पहले तोलना इसलिए जरूरी है ताकि हम जो बोलने जा रहे हैं, उसके बारे में हम यह निश्चय कर सकें कि हमारे ये शब्द सुनने वाले को मधुर तथा उपयोगी लगेंगे, कटु तथा अनुपयोगी नहीं। यदि हम बोलने के पूर्व अपनी वाणी को नहीं तोलेंगे तो हम शीघ्र ही अनेक लोगों को अपना शत्रु बना लेंगे।

प्रश्न 7. रसविहीन बातें क्यों नहीं बोलनी चाहिए? उदाहरण सहित स्पष्ट करो।

उत्तर– रसविहीन बात इसलिए नहीं बोलनी चाहिए क्योंकि रसविहीन बात न केवल श्रोता को बुरी लगती है, अपितु हमारी अपनी जिह्वा भी रसविहीन हो जाती है। उदाहरण के रूप में यदि हम किसी को अपशब्द कहते हैं या गुस्से में बोलते हैं तो सुनने वाला व्यक्ति तो हमसे नाराज होता ही है स्वयं हमें भी अपने कहे वचनों पर मन ही मन ग्लानि होती है।

प्रश्न 8. "गुड़ न दे तो गुड़ की सी बात तो करे", इस कहावत का अर्थ लिखो।

उत्तर– "गुड़ न दे गुड़ की सी बात तो करे–" कहावत का अर्थ है कि जब कोई जरूरतमंद व्यक्ति हमसे सहायता माँगने आए तो हमें उससे मधुर वाणी में ही बात करनी चाहिए, चाहे फिर हम उसकी सहायता करें या न करें।

परीक्षोपयोगी अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्न

वस्तुनिष्ट प्रश्न

प्रश्न 1. 'सूक्ति' शब्द का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

उत्तर– 'सूक्ति' शब्द दो शब्दों से मिलकर बना है–सु+उक्ति। अर्थात् अच्छे वचन।

प्रश्न 2. वैदिक ऋषियों ने मीठी वाणी के विषय में क्या कहा है?

उत्तर– वैदिक ऋषियों ने मीठी वाणी के विषय में कहा है कि मेरी जिह्वा के अग्र भाग में मधुरता रहे। मेरी जीभ के मूल भाग में मधुरता रहे। मैं जो बोलूँ वह मधुरता से भरा हो।

प्रश्न 3. 'नीतिशतक' में वाणी के विषय में क्या कहा गया है?

उत्तर– 'नीतिशतक' में वाणी के विषय में कहा गया है कि संस्कारयुक्त वाणी ही पुरुष को अलंकृत करती है। अन्य सारे आभूषण तो नष्ट हो जाते हैं। केवल वाणी रूपी आभूषण ही एकमात्र आभूषण है, जो शाश्वत है।

प्रश्न 4. कबीरदास के अनुसार हमें कैसी वाणी बोलनी चाहिए?

उत्तर– कबीरदास के अनुसार हमें ऐसी वाणी बोलनी चाहिए जिससे हमारे मन का घमंड दूर जाए। हमारे द्वारा बोली जाने वाली वाणी स्वयं तथा दूसरों को शीतलता प्रदान करने वाली होनी चाहिए।

प्रश्न 5. तुलसीदास जी के अनुसार मीठी वाणी कैसा मंत्र है?

उत्तर– तुलसीदास जी के अनुसार मीठी वाणी एक ऐसा वशीकरण मंत्र है, जिससे चारों ओर सुख का जन्म होता है। इसलिए हमें कठोर वचनों को छोड़कर मीठे वचन बोलने चाहिए।

प्रश्न 6. मलूकदास वाणी के विषय में क्या कहते हैं?

उत्तर– मलूकदास वाणी के विषय में कहते हैं कि मनुष्य जब तक चुप बैठा रहता है, उसका कोई सम्मान नहीं करता। जब प्रकट रूप में मुख रूपी कली खिलती है, तब उसकी सुगंध चारों ओर फैल जाती है।

प्रश्न 7. वृन्द कवि ने मीठे वचनों का कैसा प्रभाव बताया है?

उत्तर– वृन्द कवि ने कहा है कि जिस प्रकार थोड़ा सा

शीतल जल डालने से दूध का उफान मिट जाता है, उसी प्रकार मीठे वचनों के प्रभाव से व्यक्ति का अभिमान मिट जाता है।

प्रश्न 8. भारतेंदु हरिश्चंद्र ने सज्जन की मीठी वाणी का मिठास किससे अधिक बताया है?

उत्तर– भारतेंदु हरिश्चंद्र ने सज्जन की मीठी वाणी की मिठास को मिसरी, शहद, आम, ईख, दाख, बतासे, अमृत तथा रमणी के अधरों से अधिक मीठा बताया है।

बहु-विकल्पीय प्रश्नोत्तर

1. 'जिह्वाया: अग्रे मधु में जिह्वा मूले मधूलकम्'–सूक्ति किस ग्रंथ से उद्धृत है?

(A) अथर्ववेद (B) ऋग्वेद

(C) सामवेद (D) यजुर्वेद

उत्तर– (A) अथर्ववेद।

2. मीठा बोलने में हमें दरिद्रता नहीं दिखानी चाहिए–यह किसका कथन है?

(A) विदुर का (B) चाणक्य का

(C) रहीम का (D) गंग का

उत्तर– (B) चाणक्य का।

3. निम्नलिखित में से कौन-सा आभूषण शाश्वत कहा गया है–

(A) हार (B) अंगूठी

(C) वाणी (D) पाजेब

उत्तर– (C) वाणी।

4. रैदास ने मीठी वाणी को कहा है–

(A) आभूषण (B) संपत्ति

(C) पूंजी (D) औषधि

उत्तर– (D) औषधि।

5. कबीरदास के अनुसार वाणी कैसी होनी चाहिए?

(A) शीतल (B) समशीतोष्ण

(C) ऊष्ण (D) उग्र

उत्तर– (A) शीतल।

6. मीठे वचनों को वशीकरण मंत्र किसने कहा है?

(A) कबीरदास (B) तुलसीदास

(C) सूरदास (D) रहीमदास

उत्तर– (B) तुलसीदास।

7. मीठे वचनों से उत्तम पुरुषों का अभिमान मिट जाता है–किसका कथन है?

(A) गंग कवि का (B) ग्वाल कवि का

(C) वृन्द कवि का (D) गिरधर कवि राय का

उत्तर– (C) वृन्द कवि का।

8. भारतेंदु के अनुसार मीठी वाणी की मिठास किससे अधिक होती है?

(A) मिसरी से (B) शहद से

(C) रमणी के अधरों से (D) उपर्युक्त सभी से

उत्तर– (D) उपर्युक्त सभी से।

9. तिरुवल्लुर किस भाषा के लेखक थे?

(A) तमिल (B) हिन्दी

(C) कन्नड़ (D) गुजराती

उत्तर– (A) तमिल।

10. आधुनिक हिन्दी साहित्य का जनक किसे कहा जाता है?

(A) महावीर प्रसाद द्विवेदी को

(B) भारतेंदु हरिश्चंद्र को

(C) मैथिलीशरण गुप्त को

(D) सूर्यकांत त्रिपाठी निराला को

उत्तर– (B) भारतेंदु हरिश्चंद्र को।

❑❑❑

Padkoo.com

4

प्रेरक प्रसंग

प्रश्न-अभ्यास

प्रश्न 1. अर्जुन किन गुणों के बल पर श्रेष्ठ धनुर्धारी बने?

उत्तर– (*i*) गुरु के प्रति अपने आदर भाव, (*ii*) अनुशासन, (*iii*) धैर्य, (*iv*) लक्ष्य निर्धारित करना आदि गुणों के बल पर ही अर्जुन श्रेष्ठ धनुर्धारी बने।

प्रश्न 2. एकलव्य की कौन-सी विशेषताएँ आपको अच्छी लगीं और क्यों?

उत्तर– एकलव्य की अनेक विशेषताएँ; जैसे उसकी गुरु-भक्ति, संघर्ष करने की क्षमता, उसका उत्साह, अनुशासन, आत्मविश्वास आदि विशेषताएँ मुझे अच्छी लगीं। मुझे साहस व ये विशेषताएँ इसलिए अच्छी लगीं क्योंकि उसने विपरीत परिस्थितियों को अपनी इन विशेषताओं के बल पर अपने अनुकूल बनाया तथा गुरु के मार्गदर्शन के बिना ही धनुर्विद्या सीखी।

प्रश्न 3. आप अर्जुन व एकलव्य में से क्या बनना पसन्द करेंगे और क्यों?

उत्तर– मैं निश्चित रूप से अर्जुन व एकलव्य में से एकलव्य बनना पसंद करूँगा। इसका कारण यह है कि एकलव्य किसी निर्दिष्ट गुरु के मार्गदर्शन के बिना अपने साहस, सूझबूझ, अथक संघर्ष एवं निरन्तर अभ्यास से उच्चकोटि का धनुर्धर बना। अपने-अपने मन में जिसे गुरु माना उसके लिए गुरु-दक्षिणा के रूप में हँसते-हँसते अपने अंगूठे का दान देकर अपनी धनुर्विद्या ही न्योछावर कर दी।

प्रश्न 4. सफलता प्राप्त करने के लिए किसकी आवश्यकता होती है?

उत्तर– सफलता प्राप्त करने के लिए साहस, उत्साह, दृढ़ निश्चय, अथक संघर्ष, तीव्र मनोबल व निरंतर अभ्यास की आवश्यकता होती है।

प्रश्न 5. एकलव्य ने किस प्रकार शिक्षा ग्रहण की?

उत्तर– एकलव्य ने गुरु के अभाव में अपने मन में बसे गुरु की मूर्ति के समक्ष निरन्तर अभ्यास करके, अपनी कमियों को स्वयं सुधारते हुए अपने अथक संघर्ष व दृढ़ इच्छाशक्ति के बल पर शिक्षा ग्रहण की।

प्रश्न 6. आदर्श शिष्य में किन गुणों का समावेश अनिवार्य है और क्यों?

उत्तर– आदर्श शिष्य में अनेक गुणों जैसे गुरु के प्रति आदर भाव, साहस, उत्साह आत्मविश्वास, अनुशासन, परिश्रम, धैर्य, अटूट संघर्ष क्षमता, निरंतर अभ्यास, लक्ष्य-निर्धारण आदि का समावेश अनिवार्य है क्योंकि इन गुणों के समावेश के माध्यम से ही शिष्य जीवन में सफलता प्राप्त कर सकता है।

प्रश्न 7. भगवान बुद्ध कहाँ जा रहे थे?

उत्तर– भगवान बुद्ध अपने अनुयायियों के साथ किसी गाँव में उपदेश देने जा रहे थे।

प्रश्न 8. एक से अधिक गड्ढों की संख्या से गड्ढे खोदने वाले की किस प्रवृत्ति का संकेत मिलता है?

उत्तर– एक से अधिक गड्ढों की संख्या से गड्ढे खोदने वाले की इस प्रवृत्ति का पता चलता है कि वह परिश्रमी तो है, परंतु उसमें धैर्य का अभाव है।

प्रश्न 9. कार्य की सफलता में परिश्रम के साथ धैर्य क्यों जरूरी होता है?

उत्तर– कार्य की सफलता में परिश्रम के साथ धैर्य इसलिए जरूरी होता है क्योंकि किसी भी कार्य के लिए परिश्रम करना आरंभ करते ही सफलता की प्राप्ति नहीं होती। परिश्रम के साथ धैर्य रखने से ही समय आने पर सफलता प्राप्त होती है।

परीक्षोपयोगी अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्न

वस्तुनिष्ट प्रश्न

प्रश्न 1. परिस्थिति अनुसार आदर्श से आप क्या समझते हैं?

उत्तर– परिस्थिति अनुसार आदर्श से अभिप्राय है कि हमें जीवन में अपनी परिस्थितियों के अनुसार (अर्जुन या एकलव्य की तरह) आदर्शों का चयन करना चाहिए।

प्रश्न 2. अर्जुन और एकलव्य की परिस्थिति में क्या अन्तर है?

उत्तर– अर्जुन के पास अपनी प्रत्येक गलती को सुधारने के लिए एक मार्गदर्शक गुरु उपलब्ध है, जबकि गुरु के अभाव में एकलव्य को अपनी गलतियाँ और उनका समाधान स्वयं ही ढूँढ़ना है।

प्रश्न 3. बुद्ध ने एक ही स्थान पर अधिक गड्ढे खुदे होने क्या कारण बताया?

उत्तर– बुद्ध ने एक ही स्थान पर अधिक गड्ढे खुदे होने का कारण यह बताया कि पानी की तलाश में किसी व्यक्ति ने इतने गड्ढे खोदे हैं। यदि वह धैर्यपूर्वक एक ही स्थान पर और गहरा गड्ढा खोदता तो उसे पानी अवश्य मिल जाता।

बहु-विकल्पीय प्रश्नोत्तर

1. **'प्रेरक प्रसंग' पाठ में कितने प्रेरक प्रसंग संकलित हैं?**
(A) दो (B) तीन
(C) पाँच (D) चार
उत्तर– (A) दो।

2. **अर्जुन के गुरु का नाम है–**
(A) कृपाचार्य (B) द्रोणाचार्य
(C) परशुराम (D) विश्वामित्र
उत्तर– (B) द्रोणाचार्य।

3. **अर्जुन का तीर लक्ष्य से कितने इंच बाईं तरफ लगा?**
(A) चार (B) तीन
(C) दो (D) दस
उत्तर– (C) दो।

4. **एकलव्य का तीर लक्ष्य से कितनी इंच दूर रह जाता था?**
(A) चार (B) पाँच
(C) छह (D) तीन
उत्तर– (D) तीन।

5. **एकलव्य की समस्या का समाधान किसके पास है?**
(A) स्वयं उसके पास
(B) उसके पिता के पास
(C) उसके गुरु के पास
(D) ईश्वर के पास
उत्तर– (A) स्वयं उसके पास।

6. **पाठ के अनुसार किसके जैसा सुखद संयोग सभी को नहीं मिल जाता?**
(A) एकलव्य (B) अर्जुन
(C) द्रोण (D) भीम
उत्तर– (B) अर्जुन।

7. **अर्जुन बनने पर प्रत्येक गलती को सुधारने के लिए किसकी जरूरत होगी?**
(A) कृष्ण की (B) भीष्म की
(C) मार्गदर्शक गुरु की (D) बड़ों की
उत्तर– (C) मार्गदर्शक गुरु की।

8. **एकलव्य का गुण है–**
(A) साहस (B) उत्साह
(C) आत्मविश्वास (D) उपर्युक्त सभी
उत्तर– (D) उपर्युक्त सभी।

9. **भगवान बुद्ध किसके साथ किसी गाँव में उपदेश देने जा रहे थे?**
(A) भक्तों के साथ (B) ब्राह्मणों के साथ
(C) अनुयायियों के साथ (D) बौद्धों के साथ
उत्तर– (C) अनुयायियों के साथ।

10. **व्यक्ति ने किसकी तलाश में गड्ढे खोदे थे?**
(A) धन की (B) पानी की
(C) तेल की (D) खजाने की
उत्तर– (B) पानी की।

Padkoo.com

5

कर्मयोग की साधना

प्रश्न-अभ्यास

प्रश्न 1. गीता किस प्रकार का ग्रन्थ है?

उत्तर– गीता एक ऐसा ग्रंथ है, जो ज्ञान का सूर्य तथा भक्ति-रूपी मणि का भंडार है। यह निष्काम कर्म का अगाध सागर है। इस ग्रंथ में ज्ञान, भक्ति तथा कर्म का जैसा तत्त्व रहस्य बतलाया गया है, वैसा किसी अन्य ग्रंथ में एक साथ नहीं मिलता। आत्मा के उद्धार के लिए यह सर्वोपरि ग्रंथ है। यह मनुष्य को सभी प्रकार की उन्नति का मार्ग दिखलाने वाला ग्रंथ भी है।

प्रश्न 2. वेद कर्म को किस प्रकार करने की बात कहता है?

उत्तर– वेद (यजुर्वेद) सौ वर्षों तक कर्म करते हुए ही मनुष्य जीवन जीने की अभिलाषा करने की बात कहता है। यजुर्वेद के अनुसार–

"कुर्वन्नेवेह कर्माणि जिजीविषेत् शतं समाः 40/2"

प्रश्न 3. प्रकृति हमें किस प्रकार कर्म करने की प्रेरणा देती है?

उत्तर– प्रकृत्ति हमें निरंतर कर्म करने की प्रेरणा देती है प्रकृत्ति का प्रत्येक अवयव सदैव कर्मरत् दिखाई देता है। सूर्य हो या तारे, पवन हो या पानी सब के सब कर्म करते हुए सृष्टि के क्रम को गतिशील रखने का प्रयास करते हैं।

प्रश्न 4. फल पर मनुष्य का अधिकार नहीं है, तो भी मनुष्य को कर्म क्यों करना चाहिए?

उत्तर– फल पर मनुष्य का अधिकार नहीं है, तो भी मनुष्य को कर्म इसलिए करना चाहिए क्योंकि कर्म का अपना एक अलग आनंद है। जो व्यक्ति कर्म की प्रक्रिया में आनंद लेते हुए कर्म के पथ पर पहला कदम बढ़ाता है, तभी से वह प्रसन्नचित रहने लगता है। फल पाने की अवस्था तक पहुँचते-पहुँचते वह आनंद के सागर में तैरने लगता है।

प्रश्न 5. 'कर्म की मिठास' से क्या अभिप्राय है?

उत्तर– 'कर्म की मिठास' से अभिप्राय कर्म से मिलने वाले आनन्द से है। यह तो सभी जानते हैं कि कर्म की मिठास भी कम मीठी नहीं होती। हाँ, कर्मशील व्यक्ति को उस मिठास की खोज अवश्य करनी पड़ती है। कर्म की मिठास की प्राप्ति मनुष्य के लिए सौभाग्य की बात होती है।

प्रश्न 6. कर्म करने वाले को फल प्राप्त न हो तो भी वह घाटे में नहीं रहता–इस कथन से तुम कहाँ तक सहमत हो? तर्क सहित स्पष्ट करो।

उत्तर– कर्म करने वाले व्यक्ति को फल प्राप्त न भी हो तो भी वह घाटे में नहीं रहता हम इस कथन से पूरी तरह सहमत हैं क्योंकि कर्मशील व्यक्ति कर्म का पूरा आनंद लेकर महत्त्वपूर्ण अनुभव प्राप्त कर चुका होता है। कर्म का आनंद लेना ही उसके व्यक्तित्व की विशेष शैली बन जाती है।

प्रश्न 7. वास्तव में सच्चा कर्मयोगी कौन है?

उत्तर– सच्चा कर्मयोगी वह व्यक्ति है, जो कर्म की प्रक्रिया में ही आनन्द लेता है। वह अपनी समस्त शक्ति कर्म की कुशलता पर केन्द्रित कर लेता है। ऐसा करने से उसके व्यक्तित्व में नित्य निखार आने लगता है। वह हानि-लाभ, जय-पराजय, सुख-दु:ख में समता कर पाता है।

प्रश्न 8. कैसा मनुष्य सौभाग्यशाली कर्ता कहलाता है?

उत्तर– जो व्यक्ति कर्मयोग की कठिन साधना में शिथिलता नहीं आने देता अपने कर्म को सुंदर-से-सुंदर ढंग से श्रेष्ठ बनाकर संपन्न करने का कौशल रखता है, वह व्यक्ति सौभाग्यशाली कर्ता होता है।

Pdolkoo.com

प्रश्न 9. मनुष्य कार्य करने के सम्बन्ध में किस प्रकार सोचता है? उसकी कौन सी सोच सही है?

उत्तर– मनुष्य कार्य करने के संबंध में प्रायः दो तरह से सोचता है। पहली बात वह यह सोचता है कि काम करूँगा तो उसका फल भी पूरा लूँगा। दूसरी बात वह यह सोचता है कि यदि उसे फल नहीं मिलना है तो वह काम भी नहीं करेगा। परंतु उसकी ये दोनों ही सोच ठीक नहीं है। उसे चाहिए कि वह गीता के उपदेशानुसार कर्म करे तथा उसके फल की चिंता भगवान पर छोड़ दे। काम करना मनुष्य के वश की बात है। फल पर मनुष्य का अधिकार नहीं है।

परीक्षोपयोगी अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्न

वस्तुनिष्ट प्रश्न

प्रश्न 1. गीता का उपदेश क्या है?

उत्तर– फल, आसक्ति, अहंकार, ममता से रहित होकर संसार के हित के उद्देश्य से कर्तव्य कर्म करना ही गीता का उपदेश है।

प्रश्न 2. 'कर्मण्ये वाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन।'–गीता की इस उक्ति का भाव स्पष्ट करें।

उत्तर– गीता की इस उक्ति का भाव है कि मनुष्य को कर्म करना चाहिए, उसका फल भगवान पर छोड़ देना चाहिए। मनुष्य को कर्म के फल की चिंता कभी नहीं करनी चाहिए।

प्रश्न 3. व्यक्ति को फल की चिन्ता न्यायकारी ईश्वर पर क्यों छोड़ देना चाहिए?

उत्तर– व्यक्ति को फल की चिन्ता न्यायकारी ईश्वर पर इसलिए छोड़ देनी चाहिए क्योंकि फल पर मनुष्य का अधिकार नहीं है। व्यक्ति मनचाहा फल नहीं पा सकता।

प्रश्न 4. किन लोगों को सारा श्रम निराशा को जन्म देने वाला बन जाता है?

उत्तर– जो लोग यह मान लेते हैं कर्म का आनंद फल प्राप्त होने के बाद आरंभ होगा, ऐसे लोगों का सारा श्रम निराशा को जन्म देने वाला बन जाता है।

प्रश्न 5. कर्म का क्षेत्र कितना व्यापक है?

उत्तर– कर्म का क्षेत्र इतना व्यापक है कि इसे एक छोटे से दायरे में नहीं समेटा जा सकता। मानव-सभ्यता के विकास की कहानी कर्म की ही कहानी है।

वहु-विकल्पीय प्रश्नोत्तर

1. **आत्मा के उद्धार के लिए सर्वोपरि ग्रंथ कौन-सा है?**

(A) गीता (B) रामायण
(C) महाभारत (D) बीजक

उत्तर– (A) गीता।

2. **किस पर मनुष्य का अधिकार नहीं है?**

(A) कर्म पर (B) फल पर
(C) ईश्वर पर (D) घर पर

उत्तर– (B) फल पर।

3. **मनुष्य को अपना सारा ध्यान किस पर लगाना चाहिए?**

(A) कर्म पर (B) फल पर
(C) पढ़ाई पर (D) लिखाई पर

उत्तर– (A) कर्म पर।

4. **परमात्मा का वरदान किसे कहा गया है?**

(A) कर्म को (B) फल को
(C) जीवन को (D) मनुष्य को

उत्तर– (C) जीवन को।

5. **जीवन को सजाने-सँवारने का साधन क्या है?**

(A) धर्म (B) कर्म
(C) फल (D) भक्ति

उत्तर– (B) कर्म।

6. **सारे उद्वेगों की जड़ क्या है?**

(A) समता (B) ममता
(C) कर्मता (D) विषमता

उत्तर– (D) विषमता।

7. **कर्म का विधान करने वाला वेद है–**

(A) यजुर्वेद (B) सामवेद
(C) अथर्ववेद (D) ऋग्वेद

उत्तर– (A) यजुर्वेद।

8. **कर्मकुशलता को योग का पर्याय किसने माना है?**

(A) राम ने (B) कृष्ण ने
(C) हनुमान ने (D) तुलसीदास ने

उत्तर– (B) कृष्ण ने।

❑❑❑

Padkoo.com

6

खूब लड़ी मर्दानी

प्रश्न-अभ्यास

प्रश्न 1. भारतीयों ने आजादी पाने के लिए किस-किस प्रकार संघर्ष किया?

उत्तर– भारतीयों ने आजादी पाने के लिए अहिंसक युद्ध एवं सशस्त्र क्रांति दोनों प्रकार से संघर्ष किया। हालाँकि भारत को स्वतंत्रता किसके प्रयासों से मिली यह प्रश्न उठाकर विवाद करना व्यर्थ है परन्तु इस तथ्य को स्वीकार किया जा सकता है कि अहिंसावादियों तथा क्रांतिकारियों–दोनों का उद्धेश्य एक ही भारत को स्वतंत्रता कराना था।

प्रश्न 2. झाँसी को अंग्रेजी राज्य में कब और क्यों शामिल किया गया?

उत्तर– झाँसी को 7 मार्च, 1857 को अंग्रेजी राज्य में शामिल कर लिया गया क्योंकि राजा गंगाधर राव की मृत्यु के उपरांत उस राज्य का कोई वारिस नहीं बचा था। अंग्रेजों ने अपनी लैप्स की नीति के तहत राजा गंगाधर राव के दत्तक पुत्र दामोदर राव को भी राज्य के उत्तराधिकारी के रूप में अस्वीकार कर दिया था।

प्रश्न 3. रानी लक्ष्मीबाई की अवस्था अपने ही भवन के पिंजरे में बन्द पक्षी के समान थी। कैसे? स्पष्ट करो।

उत्तर– राजा गंगाधर राव की मृत्यु के पश्चात् अंग्रेजों ने झाँसी के राज्य को अपने राज्य में मिला लिया था। उन्होंने रानी लक्ष्मीबाई के लिए पाँच हजार रुपए मासिक पेंशन बहाल करते हुए किला खाली करवा लिया। उन्होंने रानी को विधवा के लिए किए जाने वाले पारंपरिक 'मुण्डन' संस्कार के लिए काशी जाने की इजाजत नहीं दी। यही नहीं दामोदर राव के यज्ञोपवीत संस्कार के लिए जमा दस लाख रुपयों में से भी बड़ी मुश्किल से एक लाख रुपए एक व्यापारी की जमानत पर दिए। इस प्रकार रानी की अवस्था अपने ही भवन के पिंजरे में बन्द पक्षी के समान हो गई थी।

प्रश्न 4. सरफरोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है, देखना है जोर कितना बाजु-ए-कातिल में है–पंक्तियों का अर्थ स्पष्ट करो।

उत्तर– सुप्रसिद्ध क्रांतिकारी एवं अमर शहीद रामप्रसाद बिस्मिल द्वारा रचित गजल के इस शेर (पंक्तियाँ) का अर्थ है क्रांतिकारी अपना सिर कटाने की इच्छा अपने हृदय में रखते हैं। वे देखना चाहते हैं कि कातिल अर्थात् अंग्रेजों की भुजाओं में कितनी ताकत है। वे उनका सिर कलम कर पाते हैं या नहीं।

प्रश्न 5. लक्ष्मीबाई किस प्रकार शहादत को प्राप्त हुई?

उत्तर– 18 जून 1858 के दिन अपनी अंतिम लड़ाई के समय रानी रणचंडी का रूप धारण कर अंग्रेजी सेना को मार-काटती हुई आगे बढ़ रही थीं। अंग्रेजों ने उन पर तोपों से हमला बोल दिया। इससे रानी के घोड़े की एक टाँग टूट गई। एक अंग्रेज सैनिक की बन्दूक से चली गोली रानी के पैरों के ऊपरी भाग में घुस गई। एक अंग्रेज सैनिक ने अपनी तलवार से उनके सिर पर वार किया जिससे रानी के सिर का दाहिना भाग व एक आँख शरीर से अलग हो गए। घायल अवस्था में भी रानी ने उस सैनिक को मौत के घाट उतार दिया तथा रणचंडी बन आखिरी दम तक लड़ती हुई शहादत को प्राप्त हुई।

प्रश्न 6. गंगाधर राव ने किसको अपना दत्तक पुत्र बनाया व क्यों?

उत्तर– गंगाधर राव ने अपने संबंधि वासुदेवराव के पुत्र आनंद को गोद लेकर अपना दत्तक पुत्र बनाया। गोद लेने के उपरांत उसका नाम दामोदर राव रखा गया। उन्होंने उसे अपना दत्तक पुत्र इसलिए बनाया क्योंकि उनका अपना नवजात पुत्र अधिक दिनों तक जीवित न रह सका।

प्रश्न 7. रानी लक्ष्मीबाई युद्ध–कौशल में प्रवीण थी। आठ-दस पंक्तियों में वर्णन करो।

Pdokoo.com

उत्तर– रानी लक्ष्मीबाई ने बचपन में ही शस्त्र विद्या व घुड़सवारी का प्रशिक्षण पेशवा बाजीराव के दत्तक पुत्र नाना साहब के साथ लिया था। बाद में झाँसी की रानी बनने और गंगाधर राव की मृत्यु के पश्चात् रानी ने अंग्रेजों से एक वर्ष के दौरान कई युद्ध लड़े और अपने श्रेष्ठ युद्ध-कौशल का परिचय दिया। उन्होंने अपने युद्ध-कौशल से अंग्रेजों को झाँसी, कालपी तथा ग्वालियर के पास हुए युद्धों में दाँतों तले अंगुली दबाने पर विवश कर दिया। रानी की तलवारबाजी व वीरता देखकर न केवल अंग्रेज दंग रह गए थे अपितु उनका रणचण्डी का रूप देखकर तो भयभीत हो गए थे।

प्रश्न 8. रानी लक्ष्मीबाई का मनोबल बहुत उच्च था। उदाहरण देकर स्पष्ट करो।

उत्तर– रानी लक्ष्मीबाई के पास एक छोटी-सी सेना थी। इसमें भी महिला-सैनिकों की संख्या ज्यादा थी। अपनी इसी सेना के बल पर रानी लक्ष्मीबाई ने अंग्रेजों की विशाल सेना का सामना कई बार किया। इस तरह स्पष्ट होता है कि रानी लक्ष्मीबाई का मनोबल बहुत ऊँचा था।

प्रश्न 9. 'खूब लड़ी मर्दानी' में 'मर्दानी' से आप क्या समझते हैं?

उत्तर– 'मर्दानी' शब्द बना है–'मर्द' शब्द में 'आनी' (मर्द+आनी) प्रत्यय के संयोग से। इस शब्द का अर्थ है–मर्दों जैसे गुणों वाली स्त्री। भारतीय संस्कृति में मर्द अर्थात् पुरुष को शक्ति का प्रतीक माना जाता है। जब हम किसी महिला में पुरुषों की सी शक्ति का प्रतिबिंब देखते हैं तो हम हम उसे 'मर्दानी' कहकर बुलाते हैं। रानी लक्ष्मीबाई में भी उनकी वीरता के रूप में पुरुष की शक्ति का प्रतिबिंब दृष्टिगोचर होता है, इसीलिए उन्हें 'मर्दानी' कहकर बुलाया जाता है।

प्रश्न 10. व्यक्ति अपने कार्यों से अमर हो जाता है, कुछ अन्य उदाहरण देकर पुष्टि करो।

उत्तर– निश्चय ही व्यक्ति अपने कार्यों से अमर हो जाता है। हमारे पुराणों में इतिहास में अनेक ऐसे महापुरुषों के उदाहरण हैं, जो अपने कार्यों से अमर हैं। राम अपनी मर्यादा, कृष्ण अपने प्रेम व योग, महात्मा बुद्ध एवं महावीर स्वामी अपनी अहिंसाप्रियता, सम्राट अशोक चन्द्रगुप्त अपने अच्छे शासन, चाणक्य, बीरबल अपनी बुद्धि, महाराणा प्रताप, शिवाजी, भगत सिंह, चन्द्रशेखर आजाद आदि अपनी देशभक्ति व वीरतापूर्ण कार्यों के लिए अमर हैं तथा सदैव अमर रहेंगे।

परीक्षोपयोगी अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्न

वस्तुनिष्ट प्रश्न

प्रश्न 1. किसने रानी लक्ष्मीबाई को संपूर्ण भारत में चलाई जा रही क्रांति की योजनाओं से अवगत कराया?

उत्तर– ताँत्या टोपे ने।

प्रश्न 2. पूरे भारत में स्वतंत्रता-संग्राम किस दिन शुरू करने की योजना बनाई गई थी?

उत्तर– 31 मई, 1857 को।

प्रश्न 3. सन् 1857 का स्वतंत्रता-संग्राम आरंभ होने से पहले ही कहाँ और कब विद्रोह की आग भड़क उठी?

उत्तर– 06 मई, 1857 को, बैरकपुर छावनी में।

प्रश्न 4. झाँसी का किला छोड़कर रानी लक्ष्मीबाई कहाँ पहुँची?

उत्तर– कालपी के किले में

प्रश्न 5. कालपी में युद्ध हारने पर रानी लक्ष्मीबाई कहाँ पहुँची?

उत्तर– ग्वालियर में।

प्रश्न 6. ग्वालियर में अंग्रेजों को हराने के बाद किसका राजतिलक किया गया?

उत्तर– राव साहब पेशवा।

प्रश्न 7. ग्वालियर में अंग्रेजों की विशाल सेना लेकर कौन-सा सेनापति आया था?

उत्तर– ह्यूरोज़।

प्रश्न 8. अंग्रेज सेनापति ह्यूरोज़ और ताँत्या टोपे में कहाँ मुठभेड़ हुई?

उत्तर– मुरार में।

प्रश्न 9. रानी लक्ष्मीबाई ने किन दो सहेलियों के साथ मिलकर अंग्रेजी सेना का सामना किया?

उत्तर– काशी और सुन्दर।

प्रश्न 10. 'खूब लड़ी मर्दानी वह तो झाँसी वाली रानी थी'–पंक्ति किसने लिखी है?

उत्तर– कवयित्री सुभद्राकुमारी चौहान।

Pdfkoo.com

बहु-विकल्पीय प्रश्नोत्तर

1. 'सरफरोशी की तमन्ना ....' ग़ज़ल के रचयिता हैं–
(A) रामप्रसाद बिस्मिल (B) भगत सिंह
(C) चन्द्रशेखर आज़ाद (D) अशफ़ाख उल्ला खाँ
उत्तर– (A) रामप्रसाद बिस्मिल।

2. रानी लक्ष्मीबाई का जन्म किस वर्ष हुआ?
(A) 1830 ई० (B) 1835 ई०
(C) 1840 ई० (D) 1845 ई०
उत्तर– (B) 1835 ई०

3. लक्ष्मीबाई के बचपन का नाम था–
(A) तनु (B) कनु
(C) मनु (मनुबाई) (D) सोनू
उत्तर– (C) मनु (मनुबाई)।

4. लक्ष्मीबाई के पिता का नाम था?
(A) बाजीराव (B) नाना साहब
(C) ताँत्या (D) मोरोपंत
उत्तर– (D) मोरोपंत।

5. पेशवा बाजीराव मनु को क्या कहकर पुकारते थे?
(A) छबीली (B) शर्मिली
(C) गर्वीली (D) भोली
उत्तर– (A) छबीली।

6. मनुबाई का विवाह कितने वर्ष की आयु में हुआ?
(A) दस (B) आठ
(C) बारह (D) चौदह
उत्तर– (B) आठ।

7. रानी लक्ष्मीबाई के पति का क्या नाम था?
(A) प्रमोद राव (B) वंशीधर राव
(C) गंगाधर राव (D) हरिधरराव
उत्तर– (C) गंगाधर राव।

8. गंगाधर राव कहाँ के राजा थे?
(A) कालपी (B) ओरछा
(C) ग्वालियर (D) झाँसी
उत्तर– (D) झाँसी।

9. कितने वर्ष की आयु में लक्ष्मीबाई को पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई?
(A) 16 वर्ष (B) 13 वर्ष
(C) 17 वर्ष (D) 15 वर्ष
उत्तर– (A) 16 वर्ष।

10. किस वर्ष राजा गंगाधर राव का स्वर्गवास हुआ?
(A) 1852 ई० (B) 1853 ई०
(C) 1854 ई० (D) 1855 ई०
उत्तर– (B) 1853 ई०।

11. गंगाधर राव ने दत्तक पुत्र का क्या नाम रखा?
(A) सत्यप्रकाश राव (B) हरसुख राव
(C) दामोदर राव (D) अभिमुख राव
उत्तर– (C) दामोदर राव।

12. किस वर्ष झाँसी को अंग्रेजी राज्य में शामिल कर लिया गया?
(A) 1855 ई० (B) 1854 ई०
(C) 1856 ई० (D) 1857 ई०
उत्तर– (D) 1857 ई०।

13. डलहौजी ने रानी लक्ष्मीबाई की कितनी मासिक पेंशन बहाल की?
(A) पाँच हजार रुपये (B) छह हजार रुपये
(C) सात हजार रुपये (D) आठ हजार रुपये
उत्तर– (A) पाँच हजार रुपये।

14. रानी लक्ष्मीबाई किस वर्ष वीरगति को प्राप्त हुई?
(A) 1857 ई० (B) 1858 ई०
(C) 1859 ई० (D) 1860 ई०
उत्तर– (B) 1858 ई०।

❑❑❑

Pdalkoo.com

7 बर्डमैन ऑफ इण्डिया : सालिम अली

प्रश्न-अभ्यास

प्रश्न 1. सालिम अली को 'बर्डमैन ऑफ इण्डिया' क्यों कहा जाता है?

उत्तर– सालिम अली एक मशहूर प्रकृतिवादी पक्षी विज्ञानी थे। उन्होंने अपनी पूरी जिन्दगी पक्षियों के लिए लगा दी। उनके बारे में कहा जाता है कि वे पक्षियों की जुबान समझते थे। इसी कारण उन्हें 'बर्डमैन ऑफ इण्डिया' कहा जाता है।

प्रश्न 2. सालिम अली को अपने प्रकृतिवादी कौशल को निखारने का मौका कहाँ और कैसे मिला?

उत्तर– सालिम अली जब बड़े हुए तब उन्हें अपने बड़े भाई के साथ उनके काम में मदद करने के लिए बर्मा (वर्तमान म्यांमार) भेज दिया गया। यह क्षेत्र चारों ओर से जंगलों से घिरा था। यहाँ उन्हें अपने प्रकृतिवादी कौशल को निखारने का मौका मिला।

प्रश्न 3. सालिम अली ने अपनी आत्मकथा का क्या नाम रखा व क्यों?

उत्तर– सालिम अली ने अपनी आत्मकथा का नाम 'द फॉल ऑफ ए स्पैरो' रखा। बचपन में सालिम अली एक बार अपनी एयरगन को साफ कर रहे थे कि अचानक उसका ट्रेगर दब जाने से आकाश में उड़ती हुए एक पीले रंग की गर्दन वाली गौरया घायल हो गई थी। इस घटना को वे अपना जीवन बदलने वाली घटना मानते थे। इसी घटना के फलस्वरूप उन्हें पक्षी-विज्ञान की ओर अग्रसर होने की प्रेरणा मिली थी। अतः इसी घटना के आधार पर उन्होंने अपनी आत्मकथा का नाम 'द फॉल ऑफ ए स्पैरो' रखा।

प्रश्न 4. साइबेरियाई सारस की किस विशेषता की सालिम अली ने खोज की?

उत्तर– सालिम अली ने अपने अध्ययनों के आधार पर यह खोज की कि साइबेरियन सारस माँसाहारी नहीं होते, वे पानी के किनारे पर जमी काई खाते हैं।

प्रश्न 5. सालिम अली ने बिना कष्ट पहुँचाए चिड़ियों को पकड़ने की किन विधियों की खोज की?

उत्तर– सालिम अली ने बिना कष्ट पहुँचाए चिड़ियों को पकड़ने की 100 से ज्यादा विधियों जैसे–'गोंग एंड फायर', 'डेक्कन विधि' आदि की खोज की।

प्रश्न 6. सालिम अली को 'पक्षी शास्त्री' के रूप में मान्यता कैसे मिली?

उत्तर– सालिम अली ने अपना तमाम जीवन पक्षियों के बारे में विभिन्न प्रकार के अनुसंधान करने में लगाया। उन्होंने कई पत्रिकाओं के लिए इस विषय पर अपने अनुसंधानपरक लेख लिखे। इनमें से मुख्य रूप से 'जर्नल ऑफ द बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी' के लिए लेख लिखे। इन लेखों के कारण ही सालिम अली को 'पक्षी शास्त्री' के रूप मान्यता मिली।

प्रश्न 7. भारत सरकार ने सालिम अली को किन सम्मानों से सम्मानित किया और क्यों?

उत्तर– भारत सरकार ने सालिम अली को 1958 ई. में पद्म भूषण व 1976 ई. में पद्म विभूषण सम्मानों से सम्मानित किया। उन्हें ये सम्मान भारत सरकार ने पक्षियों के संबंध में उनके अभूतपूर्व अनुसंधानपरक कार्यों, पक्षी-संरक्षण में उनके योगदान के लिए प्रदान किया।

प्रश्न 8. प्रकृति की दुनिया में सालिम अली का क्या स्थान था?

उत्तर– प्रकृति की दुनिया में सालिम अली का स्थान बेहद महत्त्वपूर्ण था। वे प्रकृति की दुनिया में एक टापू बनने की

pdolkoo.com

बजाय अथाह सागर बनकर उभरे थे। दूर क्षितिज तक फैली जमीन और झुके आसमान को छूने वाली उनकी नज़रों में कुछ-कुछ वैसा ही जादू था, जो प्रकृति के प्रभाव में आने की बजाय प्रकृति को अपने प्रभाव में लाने के कायल होते हैं। उनके लिए प्रकृति में हर तरफ एक हँसती-खेलती रहस्य-भरी दुनिया पसरी थी।

प्रश्न 9. सालिम अली पक्षियों की खोज कैसे करते थे?

उत्तर– सालिम अली विभिन्न प्रजातियों के पक्षियों की खोज के लिए भारत के कई क्षेत्रों के जंगलों में घूमते थे। कुमाऊँ के तराई क्षेत्र में उन्होंने बया की एक ऐसी प्रजाति ढूँढ़ निकाली, जो लुप्त घोषित हो चुकी थी। वे पक्षियों को इतने निकट से पहचानते थे कि पक्षियों के साथ उनकी भाषा में बात भी कर लेते थे।

प्रश्न 10. सालिम अली के स्वभाव की क्या-क्या विशेषताएँ थीं?

उत्तर– सालिम अली स्वभाव से बड़े ही हृदयवान व्यक्ति थे। वे ज्ञान के भण्डार तथा पक्षियों के सच्चे बन्धु थे। वे एक ऐसे विरले मनुष्य थे जो हर वक्त मनुष्य श्रेणी से अलग पक्षियों के विषय में ही सोचा करते थे। वे पक्षियों की भाषा समझ सकते थे क्योंकि पक्षियों के प्रति उनका व्यवहार मित्रतापूर्ण था।

परीक्षोपयोगी अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्न

वस्तुनिष्ट प्रश्न

प्रश्न 1. सालिम अली द्वारा रचित किन्हीं दो पुस्तकों के नाम लिखिए।

उत्तर– 'द फॉल ऑफ ए स्पैरो' (आत्मकथा), 'द बुक ऑफ इण्डियन बर्ड्स'।

प्रश्न 2. सालिम अली का बचपन कैसा था?

उत्तर– सालिम अली का जन्म सुलेमानी बोहरा मुस्लिम परिवार में हुआ था। वे पाँच भाइयों और चार बहनों के परिवार में सबसे छोटे थे। इनका पालन-पोषण उनके मामा एवं निस्संतान मामी ने किया।

प्रश्न 3. सालिम अली किसकी स्थापना करना चाहते थे? उनकी यह चाहत कैसे पूरी हुई?

उत्तर– सालिम अली भारत में एक 'पक्षी-अध्ययन व शोध-केंद्र' की स्थापना करना चाहते थे। 'बॉम्बे नैचुरल हिस्ट्री सोसाइटी' तथा पर्यावरण एवं वन मंत्रलय ने कोयम्बटूर के निकट अनाइकट्टी स्थान पर 'सालिम अली पक्षी-विज्ञान एवं प्राकृतिक इतिहास केंद्र' की स्थापना करके इनकी यह चाहत पूरी की।

प्रश्न 4. सालिम अली का पूरा नाम क्या था?

उत्तर– सालिम मोइजुद्दीन अब्दुल अली।

प्रश्न 5. सालिम अली के माता-पिता का क्या नाम था?

उत्तर– मोइजुद्दीन (पिता) तथा जीनत-उन-निसा (माता)।

प्रश्न 6. सालिम अली ने दसवीं कक्षा कब और कहाँ से उत्तीर्ण की?

उत्तर– सन् 1913 में मुम्बई विश्वविद्यालय से।

बहु-विकल्पीय प्रश्नोत्तर

1. 'बर्ड मैन ऑफ इंडिया' किसे कहा जाता है?

(A) सालिम अली को (B) नियाकत अली खाँ
(C) मोहम्मद अली को (D) फारूख शेख को

उत्तर– (A) सालिम अली को।

2. सालिम अली का जन्म किस वर्ष हुआ?

(A) 1894 में (B) 1896 में
(C) 1898 में (D) 1892 में

उत्तर– (B) 1896 में।

3. सालिम अली के मामा का क्या नाम था?

(A) अजहरुद्दीन (B) मोइनुद्दीन
(C) अमीरुद्दीन (D) रहीमुद्दीन

उत्तर– (C) अमीरुद्दीन।

4. सालिम अली ने किस वर्ष दसवीं कक्षा उत्तीर्ण की?

(A) सन् 1907 में (B) सन् 1909 में
(C) सन् 1911 में (D) सन् 1913 में

उत्तर– (D) सन् 1913 में।

5. बड़े होने पर सालिम अली अपने बड़े भाई की मदद करने कहाँ गए?

(A) चीन (B) बर्मा
(C) जापान (D) जापान

उत्तर– (B) बर्मा।

6. किस वर्ष सालिम अली का विवाह हुआ?

(A) 1918 ई० (B) 1920 ई०
(C) 1916 ई० (D) 1922 ई०

उत्तर– (A) 1918 ई०।

7. सालिम अली की पत्नी का नाम था–
(A) सकीना (B) मोहसिना
(C) तैहमिना (D) जरीना
उत्तर– (C) तैहमिना।

8. सालिम अली की आत्मकथा का नाम है–
(A) माई लाइफ
(B) लाइफ ऑफ ए बर्ड
(C) लाइफ स्टाइल ऑफ बर्ड्स
(D) द फॉल ऑफ ए स्पैरो
उत्तर– (D) द फॉल ऑफ ए स्पैरो।

9. सालिम अली के पास बिना कष्ट पहुँचाए चिड़ियों को पकड़ने के कितने तरीके थे?
(A) 100 से अधिक (B) 50
(C) 75 (D) 200
उत्तर– (A) 100 से अधिक।

10. सालिम अली का निधन किस बीमारी से हुआ?
(A) टी. बी. (B) कैंसर
(C) नासूर (D) ब्रेन ट्यूमर
उत्तर– (A) कैंसर।

11. सालिम अली की मृत्यु किस वर्ष हुई?
(A) 1985 ई० (B) 1986 ई०
(C) 1987 ई० (D) 1988 ई०
उत्तर– (C) 1987 ई०।

❑❑❑

8

भारतीय नारी

प्रश्न-अभ्यास

प्रश्न 1. वर्तमान भारतीय समाज में नारी का क्या स्थान है?
उत्तर– वर्तमान भारतीय समाज में नारी का स्थान बहुत गौरवमय तथा महत्त्वपूर्ण है। हमारे समाज में आज भी किसी मंगलकार्य की पूर्णता नारी के बिना संभव नहीं है। वर्तमान युग में भी भारत की नारियाँ अपनी मेधा से विभिन्न क्षेत्रों को आलोकित कर रही हैं।

प्रश्न 2. वानप्रस्थ होने से पूर्व ऋषि याज्ञवल्क्य ने अपनी पत्नी से क्या कहा? इससे उनका क्या भाव प्रकट होता है?
उत्तर– वानप्रस्थ होने के पूर्व ऋषि याज्ञवल्क्य ने अपनी पत्नी से कहा कि यदि तुम आज्ञा दो तो मैं वानप्रस्थ लेने का विचार रखता हूँ। मेरे धनादि को तुम और कात्यायनी (दूसरी पत्नी) परस्पर बाँट लो। उनके इस कथन से उनका अपनी पत्नियों के प्रति प्रेम तथा सम्मान भाव प्रकट होता है।

प्रश्न 3. मैत्रेयी ने किस मार्ग को अपनाया?
उत्तर– मैत्रेयी ने कल्याण का मार्ग अपनाया। उन्होंने अपने पति से कहा कि उसे ऐसा धन नहीं चाहिए जिससे वह अमर न हो सके। वे तो ऐसे मार्ग पर चलना चाहती है, जिससे अमृत पद प्राप्त हो। अपनी पत्नी का यह वैराग्य देखकर याज्ञवल्क्य ने उन्हें अपने सम्मुख बिठाकर कल्याण का मार्ग बताया।

प्रश्न 4. भगिनी निवेदिता का मूल नाम क्या था? वे किसकी शिष्या थीं?
उत्तर– भगिनी निवेदिता का मूल नाम मारग्रेट नोबल था। वे भारतीय संन्यासी स्वामी विवेकानंद की शिष्या थी। स्वामी विवेकानंद उन्हें अपनी 'मानस कन्या' निवेदिता कहते थे।

प्रश्न 5. कलकत्ता में प्लेग की महामारी फैलने पर निवेदिता ने सेवा कार्यों में क्या योगदान दिया?
उत्तर– सन् 1899 ई. में महामारी फैलने पर भगिनी निवेदिता ने स्वच्छता संबंधी सारा काम अपने हाथों में ले लिया। उनकी प्रेरणा से अनेक युवक-युवतियाँ प्लेग पीड़ितों की सहायता के लिए घरों से बाहर आ गए। इसका एक सुपरिणाम यह निकला कि सेवा की दिव्य अनुभूति से छुआछूत की सतही भावना भी दूर हो गई।

प्रश्न 6. निवेदिता ने भारतीयों की सेवा का अपना व्रत पूरा किया। उदाहरण सहित स्पष्ट करो।
उत्तर– भगिनी निवेदिता स्वामी विवेकानंद की शिष्या बनकर भारतीयों की सेवा का व्रत लेकर ही भारत आई थीं। उन्होंने

Pdfkoo.com

अपने इस व्रत की पूर्णता के लिए अपने जीवन के 14 वर्ष भारतीयों को समर्पित कर दिए। पहले 1899 ई. में कलकत्ता (अब कोलकाता) के प्लेग फैलने पर उन्होंने अपनी जान जोखिम में डालकर पीड़ित लोगों की सेवा की। फिर 1906 ई. में बंगाल के अकाल और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में उन्होंने पानी और कीचड़ में फँसे भूखे-प्यासे लोगों तक जरूरत की सामग्री पहुँचाने का कष्टसाध्य कार्य किया।

प्रश्न 7. सरोजिनी नायडू की शिक्षा-दीक्षा किस प्रकार सम्पन्न हुई?

उत्तर– सरोजिनी नायडू के पिता उन्हें गणितज्ञ बनाना चाहते थे परंतु उनकी प्रकृति काव्य के अनुकूल थी। ग्यारह वर्ष की आयु में उन्होंने तेरह सौ पंक्तियों की एक लंबी कविता 'ए लेडी ऑफ दी लेक' की रचना की। 12 वर्ष की आयु में उन्होंने मैट्रिक की परीक्षा प्रथम श्रेणी में प्रथम स्थान लेकर उत्तीर्ण की। हैदराबाद के निजाम ने उनकी साहित्यिक रचनाओं से प्रभावित होकर उनके विदेश में पढ़ने के लिए छात्रवृत्ति की व्यवस्था कर दी। तब उन्होंने लंदन के किंग्स कॉलेज में प्रवेश लिया और पढ़ाई के साथ-साथ साहित्य-सृजन में व्यस्त हो गई। अंग्रेजी के प्रसिद्ध कला समीक्षक व साहित्यकार एडमण्ड शौए के परामर्श ने उनकी लेखनी को भारतीयता से ओत-प्रोत कर दिया। इस प्रकार उनकी शिक्षा-दीक्षा संपन्न हुई।

प्रश्न 8. सरोजिनी नायडू ने राजनीतिक क्षेत्र में क्या भूमिका निभाई?

उत्तर– सरोजिनी नायडू ने राजनीतिक के क्षेत्र में भी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए कई राजनीतिक आन्दोलनों में भाग लिया। 1917 ई. में उनके नेतृत्व में देश की अठारह प्रमुख महिलाएँ महिला-मताधिकार की माँग को लेकर तत्कालीन वायसराय लार्ड चेम्सफॉर्ड से मिलीं। 1922 ई. में महिला-मताधिकार की बात मान ली गई। 1919 ई. में उन्होंने असहयोग आन्दोलन में भाग लिया। वे कांग्रेस की पहली भारतीय महिला अध्यक्ष बनीं तथा स्वतंत्रता के बाद उन्हें देश की पहली महिला राज्यपाल बनने का गौरव प्राप्त हुआ।

प्रश्न 9. वैदिककालीन पाँच विदुषियों की जानकारी एकत्रित करो।

उत्तर– वैदिक कालीन पाँच विदुषी स्त्रियाँ हैं–

1. **अदिति–** ये प्रजापति दक्ष की पुत्री तथा महर्षि कश्यप की पत्नी थीं। 12 आदित्य इन्हीं के पुत्र हैं।
2. **अनसूया–** कर्दम ऋषि और देवहूति की पुत्री तथा अत्रि ऋषि की पत्नी। अति विदुषी तथा स्नेहमयी के रूप में प्रसिद्ध पंचवटी जाने से पहले राम, लक्ष्मण और सीता जब इनके, आश्रम पर गए थे, तब इन्होंने सीता को प्रशंसनीय उपदेश तथा दिव्य उपहार दिए थे।
3. **गार्गी–** प्राचीन भारत की एक ब्रह्मवादिनी तेजस्वी विदुषी जिन्होंने जनक की सभा में याज्ञवल्क्य ऋषि से कठिन प्रश्न पूछे थे और संतुष्ट होने पर याज्ञवल्क्य को ज्ञान में सर्वोपरि बताया था।
4. **मैत्रेयी–** ऋषि याज्ञवल्क्य की विदुषी पत्नी। इन्हें याज्ञवल्क्य ने ब्रह्मज्ञान दिया था।
5. **सुलभा–** वैदिक युग की एक ब्रह्मवादिनी क्षत्रिय कुमारी। इनका मिथिला में राजा जनक से संवाद हुआ था।

परीक्षोपयोगी अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्न

वस्तुनिष्ट प्रश्न

प्रश्न 1. मैत्रेयी ने अपने ज्ञान का प्रयोग किस प्रकार किया?

उत्तर– मैत्रेयी ने परंपरा से प्राप्त ज्ञान व चिंतन के बल पर बड़े-बड़े पण्डितों से शास्त्रार्थ किया। उन्होंने कई पंडितों को ज्ञानचर्चा में परास्त कर अज्ञान के अंधकार से बाहर निकाला और सन्मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया।

प्रश्न 2. भगिनी निवेदिता कहाँ की निवासी थीं? वे भारत क्यों आईं?

उत्तर– भगिनी निवेदिता जिनका मूल नाम मारग्रेट नोबल था, आयरलैंड की निवासी थीं। भारत को जानने-समझने की जिज्ञासा के कारण वे यहाँ आईं।

प्रश्न 3. शिक्षा के विषय में भगिनी निवेदिता के क्या विचार थे?

उत्तर– शिक्षा के विषय में भगिनी निवेदिता के विचार थे कि आधुनिक शिक्षा अपनी परंपराओं पर आधारित होनी चाहिए। यह शिक्षा विश्व-बंधुत्व का प्रसार करेगी और भारत को फिर से विश्वगुरु के पद पर आसीन करने में सक्षम होगी। वे महिलाओं को शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रेरित करती थीं।

प्रश्न 4. सरोजिनी नायडू को 'भारत कोकिला' की उपाधि से क्यों विभूषित किया गया?

Pdfkoo.com

उत्तर– जिस समय भारतीय जनमानस विदेशी दासता से मुक्ति के लिए छटपट रहा था, उस समय सौंदर्य की गायिका सरोजिनी, देशवासियों की पुकार की उपेक्षा नहीं कर सकीं। उनकी लेखनी से नवजागरण का शंखनाद फूट पड़ा। इसी कारण उन्हें 'भारत कोकिला' की उपाधि से विभूषित किया गया।

प्रश्न 5. किस महापुरुष ने और किसे 'लोकमाता' कहकर पुकारा?

उत्तर– रवींद्रनाथ टैगोर ने भगिनी निवेदिता को 'लोकमाता' कहकर पुकारा।

प्रश्न 6. मारग्रेट नोबल को किसने 'भगिनी निवेदिता' नाम दिया?

उत्तर– अरविन्द घोष ने।

प्रश्न 7. भगिनी निवेदिता की समाधि कहाँ पर है तथा उस पर क्या लिखा हुआ है?

उत्तर– भगिनी निवेदिता की समाधि दार्जीलिंग में है जिस पर लिखा है–"यहाँ चिर निद्रा में लीन हैं भगिनी निवेदिता, जिन्होंने अपना सर्वस्व भारतभूमि के लिए अर्पित कर दिया।"

बहु-विकल्पीय प्रश्नोत्तर

1. निम्नलिखित में से कौन-सी महिला आध्यात्मिक क्षेत्र में प्रसद्धि है–

(A) इन्दिरा गाँधी (B) अहिल्या बाई
(C) लक्ष्मीबाई (D) गार्गी

उत्तर– (D) गार्गी।

2. निम्नलिखित में से कौन-सी महिला राजनीतिक क्षेत्र में प्रसिद्ध है–

(A) सरोजिनी नायडू (B) मदालसा
(C) अश्वघोषा (D) लोपामुद्रा

उत्तर– (A) सरोजिनी नायडू।

3. मैत्रेयी किसकी पत्नी थी?

(A) अत्रि की (B) कश्यप की
(C) याज्ञवल्क्य की (D) वशिष्ठ की

उत्तर– (C) याज्ञवल्क्य की।

4. निवेदिता किस देश में जन्मी थी?

(A) भारत (B) आयरलैंड
(C) थाईलैंड (D) युगांडा

उत्तर– (B) आयरलैंड।

5. निवेदिता का मूल का नाम क्या है?

(A) मारग्रेट नोबल (B) जेनीफर लापेज
(C) विक्टोरिया (D) जैनी

उत्तर– (A) मारग्रेट नोबल।

6. भारतीय महापुरुषों ने मारग्रेट को क्या नाम दिए?

(A) मानसकन्या (B) भगिनी निवेदिता
(C) लोकमाता (D) उपर्युक्त सभी

उत्तर– (D) उपर्युक्त सभी।

7. किस वर्ष प्लेग कलकत्ता (कोलकाता) में भयंकर महामारी के रूप में फैला?

(A) 1895 ई० (B) 1899 ई०
(C) 1903 ई० (D) 1907 ई०

उत्तर– (B) 1899 ई०।

8. भगिनी निवेदिता ने अपने जीवन के कितने वर्ष भारत की सेवा में अर्पित किए?

(A) दस (B) बारह
(C) चौदह (D) सोलह

उत्तर– (C) चौदह।

9. सरोजिनी नायडू का जन्म कहाँ हुआ?

(A) हैदराबाद में (B) बंबई में
(C) दिल्ली में (D) चेन्नई में

उत्तर– (A) हैदराबाद में।

10. ग्यारह वर्ष की आयु में सरोजिनी नायडू ने कितनी पंक्तियों की एक लंबी कविता लिखी?

(A) 1200 पक्तियों की
(B) 1300 पक्तियों की
(C) 1100 पक्तियों की
(D) 1000 पक्तियों की

उत्तर– (B) 1300 पक्तियों की।

11. भारत-कोकिला किसे कहा जाता है?

(A) मदर टेरेसा को (B) इन्दिरा गाँधी को
(C) सरोजिनी नायडू को (D) आशा भोसले को

उत्तर– (C) सरोजिनी नायडू को।

12. 'ए लेडी ऑफ दी लेक' कविता के रचयिता कौन हैं?

(A) मारग्रेट नोबल (B) सरोजिनी नायडू
(C) सालिम अली (D) गार्गी

उत्तर– (B) सरोजिनी नायडू।

13. सरोजिनी नायडू का निधन कब हुआ?

(A) 02 मार्च, 1949 को
(B) 02 मई, 1950 को
(C) 02 जुलाई, 1951 को
(D) 02 सितम्बर, 1948 को

उत्तर– (A) 02 मार्च, 1949 को।

□□□

Pdfkoo.com

9

ईसा मसीह की शिक्षाएँ

प्रश्न-अभ्यास

प्रश्न 1. ऋषि-मुनियों, पीर-पैगम्बरों आदि ने विश्व बन्धुत्व की भावना को किस प्रकार विकसित किया?

उत्तर– ऋषि-मुनियों, पीर-पैगम्बरों आदि ने अपनी मानवतावादी और उदार सोच व चिंतन से विश्व-बंधुत्व की भावना को विकसित किया है। साथ ही सभ्य समाज के निर्माण में अपना योगदान दिया है।

प्रश्न 2. ईसा मसीह की शिक्षाओं की सूची बनाओ।

उत्तर– ईसा-मसीह की शिक्षाओं के सूची इस प्रकार है–

(*i*) अहिंसा धर्म का पालन करो।
(*ii*) किसी प्राणी की हत्या न करो।
(*iii*) सदाचारी बनो।
(*iv*) चोरी न करो।
(*v*) झूठी गवाही न दो।
(*vi*) माता-पिता का आदर करो।
(*vii*) औरों को अपने समान प्यार करो।
(*viii*) दूसरों के जीवन को सँवारने के लिए अपना जीवन होम कर दो।

प्रश्न 3. ईसा मसीह ने अच्छा जीवन जीने के लिए क्या सन्देश दिया?

उत्तर– ईसा-मसीह ने अच्छा जीवन जीने का संदेश देते हुए कहा है कि यदि तुम्हें अच्छा जीवन जीना है तो अपने मन को शुद्ध करो। उनके अनुसार व्यभिचार, चोरी, हत्या, परस्त्रीगमन, लोभ, विद्वेष, छल-कपट, लम्पटता, ईर्ष्या, निन्दा, अहंकार और धर्महीनता-ये सब बुराइयाँ मनुष्य के भीतर से निकलती हैं और उसको अशुद्ध कर देती हैं। मनुष्य इन बुराइयों को अपने मन से दूर रखकर अच्छा जीवन जी सकता है।

प्रश्न 4. विवाह के विषय में ईसा के क्या विचार थे?

उत्तर– विवाह के विषय में ईसा के विचार हैं कि विवाह एक पवित्र बंधन है। जो व्यक्ति अपनी पत्नी का परित्याग करता है, वह गलत है।

प्रश्न 5. ईसा के अनुसार अपने शत्रु के प्रति हमारी भावनाएँ कैसी होनी चाहिए?

उत्तर– ईसा के अनुसार अपने शत्रु के प्रति हमारी भावनाएँ सद्भावनापूर्ण होनी चाहिए। हमें अपने शत्रुओं से भी प्रेम करना चाहिए। सकारात्मक सोच, प्रेम और विश्वास के बल पर हम अपने शत्रु को भी मित्र बना सकते हैं। उनका मानना है कि जब सूर्य भले और बुरे दोनों प्रकार के व्यक्तियों पर समान रूप से अपना प्रकाश फैलाता है, किसी से द्वेष नहीं रखता, तब हम क्यों किसी के प्रति अपने मन में मैल रखें।

प्रश्न 6. ईसा ने मानव को जगत की ज्योति क्यों बताया है?

उत्तर– ईसा ने मानव को जगत की ज्योति इसलिए बताया है क्योंकि मानव अपना दृष्टिकोण व्यापक बनाकर दीपक की भाँति सबको प्रकाशित कर सकता है। जिस प्रकार दीपक जलकर चारों ओर प्रकाश फैलाता है, उसी प्रकार मनुष्य भी किसी के घर की समस्याओं रूपी अंधेरे का अपनी ज्योति रूपी बल से दूर कर सकता है।

प्रश्न 7. यदि तुम्हें भोज का आयोजन करना हो तो तुम किन-किन को निमन्त्रित करना चाहोगे? और क्यों?

उत्तर– यदि मुझे भोज का आयोजन करना हो तो मैं निर्धन, वंचितों और निःशक्त जनों को निमंत्रित करना चाहूँगा ताकि वे अपनी भूख शांत कर सकें। मैं ऐसा इसलिए करना चाहूँगा क्योंकि धनी और परिचित व्यक्ति तो पुनः खाना खिलाकर अपना उपकार उतार देते हैं परंतु गरीब व्यक्ति ऐसा नहीं कर सकते। गरीबों पर किए गए उपकार को परमपिता अपने आप उतारता है।

pdooo.com

प्रश्न 8. शिष्य बनने के लिए किनका त्याग करना आवश्यक है? लिखो।

उत्तर– शिष्य बनने के लिए व्यक्ति को अपने माता-पिता, सन्तान, भाई-बहन और मोह के बन्धनों का त्याग करना आवश्यक है।

परीक्षोपयोगी अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्न

वस्तुनिष्ट प्रश्न

प्रश्न 1. पाठ में यीशु-मसीह की तुलना किससे की गई है?

उत्तर– पाठ में यीशु-मसीह की तुलना योगेश्वर श्रीकृष्ण से की गई है।

प्रश्न 2. ईसा-मसीह ने मन की शुद्धता पर बल क्यों दिया है?

उत्तर– ईसा ने मन की शुद्धता पर बल इसलिए दिया है क्योंकि यदि मनुष्य का मन शुद्ध होगा तो उस पर किसी प्रकार के नकारात्मक भाव का प्रभाव नहीं पड़ेगा।

प्रश्न 3. ईसा ने प्रेम के विषय में क्या संदेश दिया है?

उत्तर– ईसा ने प्रेम के विषय में संदेश देते हुए कहा है कि अपने शत्रुओं से भी प्रेम करो। जो लोग तुम पर अत्याचार करते हैं, उनके लिए प्रार्थना करो। इससे तुम परमपिता की सन्तान बन जाओगे।

प्रश्न 4. भविष्य की चिंता में तनाव में रहने वाले लोगों के लिए ईसा का क्या संदेश है?

उत्तर– भविष्य की चिंता में तनाव में रहने वाले लोगों के लिए ईसा का संदेश है कि कल की चिंता मत करो क्योंकि कल अपनी चिंता भी साथ लेकर आएगा। आज की ही चिंता करो।

प्रश्न 5. किन्हीं चार विषयों के नाम लिखिए जिन पर ईसा मसीह ने उपदेश दिया है?

उत्तर– (1) पवित्रता, (2) धन की निःसारता, (3) शिष्य की योग्यता, (4) शिष्टाचार।

बहु-विकल्पीय प्रश्नोत्तर

1. ईसा मसीह की तुलना की गई है–

(A) कृष्ण से (B) महावीर से
(C) राम से (D) बुद्ध से

उत्तर– (A) कृष्ण से।

2. ईसा ने किसे एक पवित्र बंधन माना है?

(A) धर्म को (B) धन को
(C) विवाह को (D) कर्म को

उत्तर– (C) विवाह को।

3. कौन-सी बुराई मनुष्य के भीतर से निकलती है?

(A) लम्पटता (B) झूठी निन्दा
(C) व्यभिचार (D) उपर्युक्त सभी

उत्तर– (D) उपर्युक्त सभी।

4. ईसा ने किससे भी प्रेम करने की सीख दी है?

(A) मित्रों से (B) भक्तों से
(C) शत्रुओं से (D) बच्चों से

उत्तर– (C) शत्रुओं से।

5. ईसा के अनुसार हमें भोज का निमंत्रण किसे देना चाहिए?

(A) संगे संबंधियों को (B) निर्धनों को
(C) परिचितों को (D) मित्रों को

उत्तर– (B) निर्धनों को।

6. ईसा के अनुसार हमें भोज का निमंत्रण किसे नहीं देना चाहिए?

(A) धनी व्यक्तियों को (B) वंचितों को
(C) निःशक्तों को (D) निर्धनों को

उत्तर– (A) धनी व्यक्तियों को।

7. शिष्य बनने के लिए किसका त्याग आवश्यक है?

(A) माता-पिता का (B) सन्तान का
(C) भाई-बहन का (D) उपर्युक्त सभी का

उत्तर– (D) उपर्युक्त सभी का।

8. ईसा ने किसे जगत की ज्योति बताया है?

(A) मानव को (B) ईश्वर को
(C) नेताओं को (D) सूर्य को

उत्तर– (A) मानव को।

9. ईसा मसीह ने कैसा सन्देश दिया है?

(A) शांति से रहने (B) प्रेम से रहने
(C) पवित्रता से रहने (D) ये सभी

उत्तर– (D) ये सभी।

❑❑❑

pdfkoo.com

10 भारतरत्न मदनमोहन मालवीय

प्रश्न-अभ्यास

प्रश्न 1. भारतीय संस्कृति व शिक्षा के प्रचार-प्रसार में मदनमोहन मालवीय के योगदान पर अपने विचार प्रकट करो।

उत्तर- (क) **भारतीय संस्कृति**–पण्डित मदनमोहन मालवीय अपनी भारतीय संस्कृति के पक्षधर थे। वे कहते थे कि यदि हम अपनी संस्कृति को भूल जाएँगे तो जड़ से कट जाएँगे।

(ख) **शिक्षा का प्रचार-प्रसार**–पण्डित मदनमोहन मालवीय शिक्षा का प्रचार-प्रसार करना चाहते थे। वे कहते थे कि यदि हम विज्ञान को नहीं समझेंगे तो पिछड़ जाएँगे। वे स्त्री-शिक्षा के भी पक्षधर थे। उन्होंने 'बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय' की स्थापना करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

प्रश्न 2. स्त्री-शिक्षा के विषय में मदनमोहन मालवीय के क्या विचार थे?

उत्तर- स्त्री-शिक्षा के विषय में मदनमोहन मालवीय के विचार स्पष्ट थे। उनका मानना था कि स्त्री-शिक्षा बहुत महत्त्वपूर्ण है क्योंकि स्त्रियाँ भावी सन्तान की माताएँ हैं। उनकी शिक्षा ऐसी हो, जो उनके व्यक्तित्व में प्राचीन तथा नवीन सभ्यता के गुणों का समन्वय कर सके।

प्रश्न 3. राजनीतिक क्षेत्र में मालवीय जी द्वारा दिए गए योगदान का वर्णन करो।

उत्तर- इस क्षेत्र में भी उन्हें काफी यश मिला। असहयोग आन्दोलन में वे जेल भी गए। दूसरी गोलमेज सभा में वे भारत के प्रतिनिधि के रूप में इंग्लैंड गए। दो बार हिन्दू महासभा के प्रधान चुने गए। उन्होंने 'हिन्दी साहित्य सम्मेलन' की स्थापना की और कई बार इसके अध्यक्ष भी रहे।

प्रश्न 4. किसी कार्य को करने के सर्वोच्च शक्ति संकल्प है और अन्य शक्तियाँ गौण हैं–पण्डित मदनमोहन के सन्दर्भ में यह बात आपको कहाँ तक ठीक लगती है?

उत्तर- निश्चय ही किसी कार्य को करने की सर्वोच्च शक्ति संकल्प है और अन्य शक्तियाँ गौण हैं। मदनमोहन मालवीय जी के सन्दर्भ में तो यह बात एक मिसाल के रूप में देखी जा सकती है। मदनमोहन मालवीय जी के पास कोई पैतृक या विशेष रूप से अर्जित संपत्ति नहीं थी, फिर भी उन्होंने बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय जैसा विश्वस्तरीय विश्वविद्यालय बनाने का संकल्प लिया। उनके इतने बड़े संकल्प के बारे में सुनकर लोग अक्सर उनका मजाक उड़ाया करते थे परंतु वे अपने संकल्प को पूरा करने के प्रति दृढ़ रहे। 14 फरवरी, 1916 को जब इस विश्वविद्यालय की नींव रखी गई तो उन्हें चिढ़ाने वाले लोग ठगे-से रह गए।

प्रश्न 5. मदनमोहन मालवीय त्याग व सादगी की मूर्ति थे। पाठ के आधार पर अपने विचार लिखो।

उत्तर- निश्चित तौर पर मदनमोहन मालवीय जी त्याग व सादगी की मूर्ति थे। उन्होंने अपना सब कुछ अपने संकल्प बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय को बनाने के लिए होम कर दिया था, जिसका एकमात्र उद्देश्य जनहित था। यही नहीं कमजोर छात्रों की वे सदा मदद करते थे। उनका जीवन सादगी से भरा तथा शुचिता से पूर्ण था। वे सुबह-शाम साधना करते थे। नशीले पदार्थों से दूर रहते थे। पोशाक की दृष्टि से वे पूर्ण भारतीय थे।

प्रश्न 6. कुछ लोग मरकर भी अमर हो जाते हैं–क्या आप इस कथन से सहमत हैं? यदि हाँ तो उदाहरण सहित पुष्टि करो।

उत्तर- जो लोग जन कल्याणकारी कार्य करते हैं, वे मरकर भी अमर हो जाते हैं। अतः इस कथन से हम पूरी तरह सहमत हैं कि कुछ लोग मरकर भी अमर हो जाते हैं। मदनमोहन मालवीय जी का उदाहरण हमारे सामने है। वे बेशक आज हमारे समक्ष नहीं है परन्तु शिक्षा, राजनीति, धर्म, समाज के लिए किए गए अपने कार्यो जिनका संबंध जनहित से था, के कारण मरकर भी अमर है। वे आज भी हमारे प्रेरणा स्रोत हैं।

प्रश्न 7. इस पाठ को आधार मानकर लिखो–चरित्रवान लोग देश की शोभा होते हैं।

उत्तर– यह निर्विवाद सत्य है कि जो लोग चरित्रवान होते हैं, वे देश की शोभा होते हैं। पाठ के आधार पर हम मदनमोहन मालवीय जी का उदाहरण देते हुए कह सकते हैं कि मालवीय जी देश के एक ऐसे ही चरित्रवान महापुरुष थे, जिन्होंने अपने चरित्र की छाप देश के संस्कृति, राजनीति, शिक्षा धर्म आदि क्षेत्रों में छोड़ी। उनकी सोच तथा कार्य-शैली आज भी हर भारतीय के लिए अनुकरणीय है।

परीक्षोपयोगी अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्न

वस्तुनिष्ट प्रश्न

प्रश्न 1. मदनमोहन मालवीय जी को 'भिक्षुक सम्राट' क्यों कहा जाता था?

उत्तर– मदनमोहन मालवीय जी ऐसे समाज सुधारक थे, जो सामाजिक कार्यो के लिए लोगों से चन्दा माँगने हेतु अपनी झोली फैलाते थे। उनकी झोली कभी खाली नहीं रहती थी। इसलिए उन्हें 'भिक्षुक सम्राट' कहा जाता था।

प्रश्न 2. मालवीय जी ने एल. एल. बी. क्यों की? इस क्षेत्र में उनका क्या योगदान रहा?

उत्तर– मालवीय जी ने कालाकांकार नरेश रामपाल के विनम्र आग्रह पर एल. एल. बी. की तथा उच्च न्यायालय में वकालत करने लगे। इस क्षेत्र में उनकी सबसे बड़ी सफलता चौरा-चौरी कांड के अभियुक्तों को फाँसी की सजा से बचा लेने की थी।

प्रश्न 3. धार्मिक सहिष्णुता के विषय में मालवीय जी के क्या विचार थे?

उत्तर– धार्मिक सहिष्णुता के विषय में मालवीय जी के विचार बड़े उदार थे। इस विषय में उन्होंने 'अभ्युदय' पत्र में लिखा था, कि 'भारत केवल हिन्दुओं का देश नहीं है। यह हिन्दुओं और मुसलमानों दोनों का प्यारा जन्मस्थान है। हमारे लिए हिन्दू-मुसलमान होने की बजाय सच्चा भारतीय होना जरूरी है।'

प्रश्न 4. मालवीय जी की कार्य-शैली कैसी थी?

उत्तर– मालवीय जी की कार्य-शैली बड़ी ही लोक;तांत्रिक व व्यावहारिक थी। वे जिस बात को ठीक समझते थे, उसी पर टिके रहते थे। दूसरो की देखा-देखी वे अपना मत स्थिर नहीं करते थे।

बहु-विकल्पीय प्रश्नोत्तर

1. 'भिक्षुक सम्राट' किसे कहा जाता है?

(A) मदनमोहन मालवीय को
(B) गाँधी जी को
(C) सुभाषचन्द्र बोस को
(D) भगत सिंह को

उत्तर– (A) मदनमोहन मालवीय को।

2. किस वर्ष मदनमोहन कांग्रेस पार्टी में शामिल हुए?

(A) 1887 ई० (B) 1885 ई०
(C) 1888 ई० (D) 1889 ई०

उत्तर– (B) 1885 ई०।

3. मदनमोहन मालवीय जी ने निम्नलिखित में से किस पत्र का संपादन नहीं किया–

(A) हिन्दुस्तान (B) अभ्युदय
(C) भारत मित्र (D) लीडर

उत्तर– (C) भारत मित्र।

4. कहाँ के नरेश के विनम्र आग्रह पर मालवीय जी ने एल. एल. बी. की?

(A) जयपुर (B) भावनगर
(C) पटियाला (D) कालाकांकर

उत्तर– (D) कालाकांकर।

5. बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय की नींव किस वर्ष रखी गई?

(A) 1912 ई० (B) 1914 ई०
(C) 1916 ई० (D) 1920 ई०

उत्तर– (C) 1916 ई०

6. कब से कब तक मालवीय जी बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के कुलपति रहे?

(A) 1916 से 1936 ई० (B) 1917 से 1937 ई०
(C) 1918 से 1938 ई० (D) 1919 से 1939 ई०

उत्तर– (D) 1919 से 1939 ई०।

7. मालवीय जी ने किस हिन्दी संस्था की स्थापना की?

(A) हिन्दी साहित्य सम्मेलन
(B) नागरी प्रचारिणी सभा
(C) केन्द्रीय हिन्दी संस्थान
(D) उपर्युक्त सभी

उत्तर– (A) हिन्दी साहित्य सम्मेलन।

Publoo.com

8. मालवीय जी का निधन किस वर्ष हुआ?
(A) 1945 ई० (B) 1946 ई०
(C) 1947 ई० (D) 1948 ई०
उत्तर– (B) 1946 ई०।

9. भारत सरकार ने किस वर्ष मालवीय जी को 'भारत रत्न' पुरस्कार से अलंकृत किया?
(A) 2013 ई० (B) 2014 ई०
(C) 2015 ई० (D) 2016 ई०
उत्तर– (C) 2015 ई०।

□□□

11 नीतिपद

Pdfkoo.com

प्रश्न-अभ्यास

प्रश्न 1. कविता में किन लोगों को 'हतभाग्य' कहा गया है?
उत्तर– कविता में उन लोगों का हतभाग्य कहा गया है जो साहित्य एवं संगीत आदि कलाओं से हीन हैं। ऐसे लोग मनुष्य रूप में सींग और पूँछ से हीन साक्षात पशु हैं और केवल घास नहीं खाते।

प्रश्न 2. विद्या को छुपा हुआ धन क्यों कहा गया है?
उत्तर– विद्या को छुपा हुआ धन इसलिए कहा गया है क्योंकि यह मनुष्य की ऐसी संपत्ति है जिसे कोई चुरा नहीं सकता। यह हमेशा व्यक्ति के साथ ही रहती है। जब व्यक्ति स्वेच्छा से इसे किसी को देता हैं, तभी वह दूसरे के पास जाती है।

प्रश्न 3. किस प्रकार के लोग कार्य करना कभी नहीं छोड़ते?
उत्तर– उत्तम प्रकृति के लोग एक बार जिस कार्य को आरंभ कर देते हैं, उस कार्य में बार-बार बाधाएँ, अड़चनें आने पर भी, उसे कार्य को करना नहीं छोड़ते।

प्रश्न 4. सारे गुण कंचन में वास करते हैं–व्याख्या करो।
उत्तर– 'कंचन' शब्द का अर्थ है–सोना अर्थात् धन। कंचन या धन में ही सारे गुण वास करते हैं क्योंकि इस संसार में जिसके पास धन है, वही व्यक्ति कुलीन तथा महान् समझा जाता है। वही व्यक्ति विद्वान, शास्त्रों का ज्ञाता तथा सबसे अधिक गुणवान समझा जाता है। वही व्यक्ति अच्छा भाषणकर्ता तथा दर्शनीय कहा जाता है। यही नहीं ऐसे व्यक्ति का सभी सम्मान करते हैं।

प्रश्न 5. महात्मा के किन्हीं चार गुणों का उल्लेख करो।
उत्तर– महात्मा के चार गुण निम्नलिखित हैं–
(i) महात्मा विपत्ति में धैर्य रखता है तथा प्रगति में क्षमा भाव रखता है।
(ii) महात्मा सभा में वाक्-चातुरी का प्रदर्शन करता है।
(iii) महात्मा युद्धभूमि में महान शौर्य का प्रदर्शन करता है।
(iv) महात्मा की यश-प्राप्ति में अभिरुचि होती है तथा उसमें शास्त्रों का अभ्यास करने की लत होती है।

प्रश्न 6. 'सत्य वचन मुख की शोभा है'–उक्ति पर आठ-दस पंक्तियों में अपने विचार लिखो।
उत्तर– 'सत्य वचन मुख की शोभा है'–का अभिप्राय है कि सज्जन व्यक्ति सदैव सत्य बोलता है। यह उसका एक विशिष्ट गुण होता है। संसार में अनेक महापुरुष हुए हैं जिनमें सत्यवादी राजा हरिश्चन्द्र, धर्मराज युधिष्ठिर, महावीर स्वामी, महात्मा बुद्ध तथा आधुनिक काल में महात्मा गाँधी प्रमुख हैं। ये सभी न केवल अपनी सत्यवादिता के लिए जाने जाते हैं, अपितु इन्होंने संसार को भी हमेशा सत्य वचन बोलने के लिए प्रेरित किया है। वैसे भी सत्य बोलते समय मनुष्य की मुखाकृति दर्शनीय होती है क्योंकि उस समय उस पर किसी प्रकार के भय की छाया नहीं होती। अत: हमें अपने मुख को शोभायमान रखने के लिए सदैव सत्य वचनों का ही प्रयोग करना चाहिए।

प्रश्न 7. न्याय-पथ पर टिके रहने के लिए धीर पुरुष प्रायः किन-किन बातों की परवाह नहीं करते?

उत्तर– न्याय-पथ पर टिके रहने के लिए धीर पुरुष प्रायः निम्नलिखित बातों की परवाह नहीं करते–

(i) चाहे नीति-निपुण कहलाने वाले लोग उनकी निन्दा करें या अपार प्रशंसा करें।

(ii) चाहे उस पथ पर चलते हुए उन्हें धन की प्राप्ति हो अथवा हानि हो।

(iii) चाहे उस पथ पर चलते हुए वे आज ही मर जाए अथवा वर्षों बाद उनकी मृत्यु हो।

प्रश्न 8. आपके विचार से एक श्रेष्ठ मित्र में क्या गुण होने चाहिए? आप में इनमें से कौन से गुण विद्यमान है?

उत्तर– मेरे विचार से एक श्रेष्ठ मित्र में अनेक गुण होते हैं जैसे–सच्चा मित्र हमें पाप कर्मों से बचाने वाला हो। वह हमारी भलाई का उपदेश देने वाला हो। वह हमारी गुप्त बातों को छिपाने वाला तथा हमारे गुणों को विशेष रूप से प्रकाशित करने वाला हो। वह विपत्ति के समय हमारा साथ न छोड़ने वाला तथा समय पर धन देकर हमारी सहायता करने वाला हो। मुझमें इनमें से एक-दो गुणों को छोड़कर सभी गुण विद्यमान है।

परीक्षोपयोगी अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्न

वस्तुनिष्ट प्रश्न

प्रश्न 1. नीतिपदों में किन-किन विषयों के संबंध में नीतिगत बातें कही गई हैं?

उत्तर– इन नीतिपदों में साहित्य एवं कला विहीन मनुष्यों विद्या, तीन प्रकार के पुरुषों, धन की महत्ता, महापुरुषों के गुणों, सज्जनों के आभूषणों, श्रेष्ठ मित्र एवं धैर्यवान पुरुषों संबंधी विषयों पर नीतिगत बातें कही गई हैं।

प्रश्न 2. विद्या नर का श्रेष्ठ-रूप क्यों है?

उत्तर– विद्या नर का श्रेष्ठ रूप इसलिए है क्योंकि विद्या मनुष्य को भोग एवं यश का सुख प्रदान करती है।

प्रश्न 3. नीच एवं मध्यम प्रकार के मनुष्यों की क्या विशेषता होती है?

उत्तर– नीच मनुष्य बाधाओं के भय से कोई कार्य ही आरंभ नहीं करते, जबकि मध्यम प्रकार के मनुष्य काम तो आरंभ कर देते हैं परंतु कार्य के बीच में बाधा आ जाने पर उसे छोड़ देते हैं।

बहु-विकल्पीय प्रश्नोत्तर

1. 'नीतिपद' किसके श्लोकों का भावानुवाद है?

(A) भर्तृहरि (B) मुंज
(C) हेमचन्द्र (D) जयदेव

उत्तर– (A) भर्तृहरि।

2. साहित्य, संगीत आदि कलाओं से विहीन मनुष्य को कहा गया है–

(A) गऊ (B) भोला
(C) साक्षात पशु (D) कठोर

उत्तर– (C) साक्षात पशु।

3. विद्या है–

(A) नर का श्रेष्ठ रूप (B) छिपा हुआ धन
(C) गुरुओं की गुरु (D) उपर्युक्त सभी

उत्तर– (D) उपर्युक्त सभी।

4. बाधाओं के भय से कौन कार्य आरंभ नहीं करता।

(A) नीच पुरुष (B) मध्यम पुरुष
(C) उत्तम पुरुष (D) उपर्युक्त सभी

उत्तर– (A) नीच पुरुष।

5. कंचन में कौन-सा गुण वास करता है?

(A) कुलीनता (B) विद्वता
(C) दर्शनीयता (D) उपर्युक्त सभी

उत्तर– (D) उपर्युक्त सभी।

6. धीर व्यक्ति किस पथ से पदभर भी विचलित नहीं होते?

(A) न्याय पथ से (B) सत्य पथ से
(C) अहिंसा पथ से (D) उपर्युक्त सभी से

उत्तर– (A) न्याय पथ से।

7. शास्त्र-श्रवण किसकी शोभा है?

(A) आँखों की (B) कानों की
(C) व्यक्ति की (D) शिक्षा की

उत्तर– (B) कानों की।

padkoo.com

12

दुनिया में नेकी और बदी

– नज़ीर अकबराबादी

प्रश्न-अभ्यास

प्रश्न 1. कवि ने किस प्रकार की दुनिया का उल्लेख किया है?

उत्तर– कवि ने एक ऐसा विभिन्न प्रकार की दुनिया का उल्लेख किया है जो एक अजीब तरह की बस्ती है। यह रईसों के लिए महँगी तथा गरीबों के लिए सस्ती है। यहाँ हर वक्त संघर्ष होते हैं तथा मुकद्में चलते हैं। यहाँ बड़ों की मस्ती मस्ती और गरीबों की मस्ती नीचता कहलाती है। यहाँ हर बात का न्याय तथा इंसाफ होता है। यहाँ जो जैसा करता है, वैसा ही भरता है। यहाँ हर सौदा हाथों-हाथ होता है।

प्रश्न 2. प्रस्तुत छन्दों में कवि ने आदमी के सकारात्मक और नकारात्मक भावों को परस्पर किन-किन रूपों में दिखाया है?

उत्तर– इन छंदों में कवि ने आदमी के सकारात्मक एवं नकारात्मक भावों को जैसे को तैसा रूपों में दिखाया है तथा स्पष्ट किया है कि यहाँ जो नेकी के कार्य करता है उसे बदले में नेकी मिलती है तथा जो बदी के कार्य करता है, बदले में उसे बदी की प्राप्ति होती है।

प्रश्न 3. इन छन्दों को पढ़कर आपके मन में 'नेकी' के बारे में क्या धारणा बनती है?

उत्तर– इन छंदों को पढ़कर हमारे मन में 'नेकी' के बारे में यह धारणा बनती है कि हमें सदैव नेकी के कार्य करने चाहिए क्योंकि नेकी करने से हमें भी बदले में नेकी की ही प्राप्ति होती है।

प्रश्न 4. कवि ने 'डुबकूँ डुबकूँ करनी है', वाक्यांश का प्रयोग किसके लिए किया है और क्यों?

उत्तर– कवि ने 'डुबकूँ-डुबकूँ' वाक्यांश का प्रयोग ऐसे व्यक्ति के लिए किया है, जो दूसरों को डुबाने का प्रयास करता है। कवि इस वाक्यांश से यह संदेश देना चाहता है कि दूसरों के लिए गड्ढा खोदने वाला व्यक्ति स्वयं ही उस गड्ढे में गिरता है।

प्रश्न 5. कवि ने किस नक्शे को पहचानने की बात कही है? यह नकशा (नक्शा) कैसा है?

उत्तर– कवि ने मनुष्य को अपने कार्यों रूपी नक्शे को पहचान लेने की बात कही है। यह नक्शा मनुष्य के अच्छे तथा बुरे कार्यों को अपने में समाए हुए है। कवि इसके माध्यम से स्पष्ट करना चाहता है कि जो इस संसार में रहते हुए दूसरों की भलाई के कार्य करेगा उसका स्वयं का भला होगा। जो व्यक्ति दूसरों का परेशान करने का कार्य करेगा, उसका स्वयं का भी बुरा होगा।

प्रश्न 6. कवि ने जिस दुनिया का उल्लेख किया है, उसके सौदे की क्या विशेषताएँ हैं?

उत्तर– कवि ने जिस दुनिया का उल्लेख किया है, उसके सौदे हाथों-हाथ होते हैं। ये सौदे एक हाथ दे, दूसरे हाथ ले वाले होते हैं। इन सौदों में न देर होती है, न अंधेर। ये सौदे पूरी तरह इंसाफ और न्याय पर आधारित होते हैं।

प्रश्न 7. प्रस्तुत छन्दों में से आपको कौन-सी बात अच्छी लगी, जो आपने स्वयं अनुभव भी की हो?

उत्तर– इन छंदों मे मुझे वैसे तो सभी बातें व्यावहारिक और अनुभव आधारित अच्छी लगीं, परन्तु यह बात ज्यादा अच्छी लगी कि इस दुनिया में जो व्यक्ति दूसरों को खटका देता है, झटका देता है, उसे स्वयं भी खटका तथा झटका खाना पड़ता है।

परीक्षोपयोगी अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्न

वस्तुनिष्ट प्रश्न

प्रश्न 1. स्पष्ट करें जो किसी का मान-सम्मान करता है, बदले में उसे भी मान-सम्मान मिलता है।

उत्तर– निश्चय ही यह उचित कथन है कि जो किसी का मान-सम्मान करता है, उसे भी मान-सम्मान मिलता है जो किसी को पान खिलाकर अथवा भोजन करवाकर उसे तृप्त करता है, बदले में उसे भी पान की जगह पान तथा रोटी की जगह नान मिलता है।

प्रश्न 2. जो किसी को प्राण-दान देता है, उसे क्या प्राप्त होता है?

उत्तर– जो किसी को प्राण-दान देता है, बदले में उसे भी अपने प्राण-सुरक्षा का हक मिल जाता है।

प्रश्न 3. 'दुनिया में नेकी और बदी' गजल के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए।

उत्तर– 'दुनिया में नेकी और बदी' नज़ीर अकबराबादी की प्रसिद्ध गजल है इस गजल के माध्यम से शायर ने स्पष्ट किया है कि संसार में अच्छाई व बुराई दोनों चीजें हैं। अच्छे लोग भी है और बुरे भी। इस संसार में जो व्यक्ति जैसे कार्य करता है, उसे वैसे ही फल भुगतने पड़ते है। अच्छाई करने वाले को अच्छाई का तथा बुराई करने वाले को बुराई का फल किसी-न-किसी रूप में अवश्य मिलता है।

बहु-विकल्पीय प्रश्नोत्तर

1. **'दुनिया में नेकी और बदी' गजल के रचयिता हैं–**
   (A) नज़ीर अकबराबादी (B) साहिर लुधयानवी
   (C) दुष्यत कुमार (D) बेढ़ब बनारसी
   उत्तर– (A) नज़ीर अकबराबादी।

2. **महंगों के लिए दुनिया कैसी है?**
   (A) सस्ती (B) महंगी
   (C) बेकार (D) अमूल्य
   उत्तर– (B) महंगी।

3. **दुनिया की विशेषता है–**
   (A) कुछ देर नहीं
   (B) अँधेर नहीं
   (C) इंसाफ और अदल-परस्ती
   (D) उपर्युक्त सभी
   उत्तर– (D) उपर्युक्त सभी।

4. **'शम्शीर' शब्द का क्या अर्थ है?**
   (A) भाला (B) बंदूक
   (C) धनुष (D) तलवार
   उत्तर– (D) तलवार।

5. **किसको डुबकूँ-डुबकूँ करनी है?**
   (A) दूसरों का गर्क करने वालों को
   (B) तैरना न जानने वालों को
   (C) मजदूरों को
   (D) गरीबों को
   उत्तर– (A) दूसरों का गर्क करने वालों को।

6. **'गैब' शब्द का अर्थ है–**
   (A) पीठ पीछे (B) भाग्य
   (C) उपर्युक्त दोनों (D) कोई नहीं
   उत्तर– (C) उपर्युक्त दोनों।

7. **'एहसान' शब्द का अर्थ है–**
   (A) भेंट (B) उपकार
   (C) उपहार (D) घमंड
   उत्तर– (B) उपकार।

8. **'अदल-परस्ती' शब्द का अर्थ है–**
   (A) अन्याय (B) अदला-बदली
   (C) तबादला (D) न्याय पूजा
   उत्तर– (D) न्याय पूजा।

❑❑❑

Pdfkoo.com

13 राष्ट्रीयता का विकास

प्रश्न-अभ्यास

प्रश्न 1. राष्ट्रीयता किसी भी देश की आत्मा होती है। कैसे? स्पष्ट करो।

उत्तर– राष्ट्रीयता किसी भी देश की आत्मा होती है। जिस देश में जितनी अधिक व व्यापक राष्ट्रीयता की भावना होती है, वह देश उतना ही अधिक समृद्ध और उन्नत होता है। जब सभी लोगों में राष्ट्रीयता की भावना होती है तब देश अधिक सशक्त व प्रभावशाली बन जाता है।

प्रश्न 2. राष्ट्रीयता के विकास के लिए अनिवार्य तत्त्व कौन से हैं?

उत्तर– राष्ट्र के प्रति समर्पण भावना, भाषा, संस्कृति, धर्म, समुदाय भूगोल आदि राष्ट्रीयता के विकास के लिए अनिवार्य तत्त्व है। इन तत्त्वों का निर्माण और संरक्षण समर्पित जन-समुदाय द्वारा ही होता है।

प्रश्न 3. राष्ट्रीयता के बाधक तत्त्वों को पहचानकर लिखो।

उत्तर– संकीर्णता, स्वार्थता, कट्टरता आदि भावनाएँ राष्ट्रीयता के विकास में बाधक तत्त्व हैं। इन भावनाओं के चलते व्यक्ति अपने राष्ट्रहित को दाँव पर लगा देता है, जिससे देश आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक रूप से क्रमशः गुलामी की ओर अग्रसर होने लगता है।

प्रश्न 4. विद्यार्थी रूप में आप राष्ट्रीयता के विकास में किस प्रकार योगदान कर सकते हैं?

उत्तर– विद्यार्थी के रूप में हम अपनी कक्षा को एक देश मानते हुए एक-दूसरे को भलाई के लिए कार्य करके, एक-दूसरे की गलत आदतों को छुड़वाकर, आपस में संगठित होकर, दूसरों का अपमान करने से बचकर, अपनी संकीर्णताओं, स्वार्थ आदि का त्याग करके राष्ट्रीयता के विकास में अपना योगदान दे सकते हैं।

प्रश्न 5. कर्तव्य का पालन करना भी राष्ट्रीयता के विकास की एक कड़ी है, उदाहरण सहित लिखो।

उत्तर– यह कथन उचित ही कहा गया है कि कर्तव्य का पालन करना भी राष्ट्रीयता के विकास की एक कड़ी है। हम जिस देश और समाज में रहते है उसमें प्रायः सभी व्यक्तियों के कर्तव्य देश और समाज द्वारा पूर्व निर्धारित हैं। व्यक्ति चाहे बड़ा हो, चाहे छोटा, अमीर हो या गरीब, दुकानदार हो या कारीगर, सबसे कर्तव्य निश्चित हैं। यदि ये सभी अपने-अपने कर्तव्यों का यथोचित पालन करें तो राष्ट्रीयता का विकास तेज गति से होगा।

प्रश्न 6. स्वयं को राष्ट्रप्रेमी कहलवाने के लिए आप क्या कार्य करेंगे?

उत्तर– स्वयं को राष्ट्रप्रेमी कहलवाने के लिए हम निम्नलिखित कार्य करेंगे–

(*i*) हम अपनी रुचि, क्षमता और योग्यता के अनुसार समय पर अपने कर्तव्य पूरे करेंगे।

(*ii*) राष्ट्र की भौगोलिक सुरक्षा के लिए हम अपने प्राणों का बलिदान देने के लिए तैयार रहेंगे।

(*iii*) हम धार्मिक सद्भाव व सामाजिक सौहार्द बनाए रखेंगे।

(*iv*) हम तमाम संकीर्णताओं व स्वार्थी से ऊपर उठकर व्यापक जनहित में कार्य करेंगे।

प्रश्न 7. 'जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी'–उक्ति का अर्थ स्पष्ट करो।

उत्तर– इस उक्ति का अर्थ है–जन्म देने वाली माता और जन्मभूमि स्वर्ग से भी अधिक गरिमामयी होती है।

प्रश्न 8. 'मेरा भारत महान' विषय पर अपने विचार लिखो।

उत्तर– मेरे लिए यह बड़े गर्व की बात है कि मैं एक ऐसे देश में जन्मा हूँ जो विश्व का एक प्राचीन तथा महान देश है, जिसका नाम भारत है। भारत ऋषियों, मुनियों, गुरुओं तथा अवतारों का देश है। इसकी उत्तर दिशा में हिमालय

पर्वत इसकी सुरक्षा करता है तो तीन अन्य दिशाओं में सागर इसकी सुरक्षा करते हैं। दक्षिण में हिंद-महासागर इसके चरणों को धोता है। यहाँ गंगा-यमुना जैसी पवित्र नदियाँ बहती हैं, जो इसकी उपजाऊ भूमि को सींच कर अमृततुल्य भोज्य पदार्थ प्रदान करती हैं। इस देश में विभिन्न धर्मों के लोग निवास करते हैं। इस देश में समय-समय पर अनेक महापुरुष हुए है, जिन्होने अपनी दिव्य वाणी से भारत को ही नहीं विश्व को भी आलोकित एवं चमत्कृत किया है। स्वतंत्रता के पश्चात् मेरे देश ने हर क्षेत्र में आशातीत उन्नति की है।

परीक्षोपयोगी अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्न

वस्तुनिष्ट प्रश्न

प्रश्न 1. ऋग्वेद में राष्ट्रीयता के विषय में क्या कहा गया है?

उत्तर– ऋग्वेद में राष्ट्रीयता के विषय में कहा गया है कि हम विविध, विशाल एवं बहुपथ तथा बहुरक्षित स्वराज्य के कल्याणार्थ प्रयत्नशील रहेंगे।

प्रश्न 2. यजुर्वेद में राष्ट्रहित के विषय मे क्या कहा गया है?

उत्तर– यजुर्वेद में राष्ट्रहित के विषय में कहा गया है कि हमें राष्ट्रहित में जाग्रत रहना चाहिए तथा हम अपने राष्ट्र में सजग, सावधान होकर पुरोहित, नेतृत्वकर्ता बनें।

प्रश्न 3. राष्ट्रीयता का विकास कब जीवन्त हो उठता है?

उत्तर– राष्ट्रीय संकट की घड़ी में जब सारा राष्ट्र एक तन, एक मन होकर खड़ा हो जाता है तब राष्ट्रीयता का विकास जीवन्त हो उठता है।

प्रश्न 4. राष्ट्रीयता को किस रूप में परिभाषित किया जा सकता है?

उत्तर– राष्ट्रीयता को एक ऐसी शक्ति के रूप में परिभाषित किया जा सकता है, जो एक निश्चित भू-भाग के जन-समुदाय का शासन की निरंकुशता के विरुद्ध अपने अधिकारों को सुरक्षित रखने तथा बाहरी आक्रमणों से स्वाधीनता की रक्षा करने के उद्देश्य से एकता के सूत्र में बाँधती है।

प्रश्न 5. राष्ट्रीयता का सबसे बड़ा गुण क्या है?

उत्तर– राष्ट्रीयता का सबसे बड़ा गुण यह है कि वह देशवासियों के हृदय में देश-प्रेम की भावना को जगाती है।

प्रश्न 6. राष्ट्रीयता के विकास में राष्ट्रनायकों की क्या भूमिका है?

उत्तर– राष्ट्रीयता के विकास में राष्ट्रनायकों की भूमिका अत्यधिक महत्त्वपूर्ण है क्योंकि जिस देश को सही दिशा-निर्देश करने वाले राष्ट्रनायकों को नेतृत्व सुलभ हो जाता है, वहाँ सामान्य जन भी उससे प्रेरित होकर राष्ट्रीयता को विकसित करने में लग जाता है।

प्रश्न 7. भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में राष्ट्रीयता का नेतृत्व करने वाले किन्हीं तीन महापुरुषों के नाम लिखो।

उत्तर– (*i*) शहीद भगतसिंह (*ii*) सुभाषचंद्र बोस (*iii*) सरदार वल्लभभाई पटेल।

बहु-विकल्पीय प्रश्नोत्तर

1. किस भाव को किसी देश की आत्मा कहा गया है?

(A) राष्ट्रीयता को (B) सामाजिकता को
(C) धार्मिकता को (D) उपर्युक्त सभी को

उत्तर– (A) राष्ट्रीयता को।

2. 'व्यचिष्ठे बहुपाय्ये यतेमहि स्वराज्ये' उक्ति किस वेद की है?

(A) सामवेद की (B) ऋग्वेद की
(C) अथर्ववेद की (D) यजुर्वेद की

उत्तर– (B) ऋग्वेद की।

3. 'वय राष्ट्रे जाग्रयाम पुरोहिताः।' किस वेद का कथन है?

(A) ऋग्वेद (B) सामवेद
(C) यजुर्वेद (D) अथर्ववेद

उत्तर– (C) यजुर्वेद।

4. राष्ट्रीयता के विकास के लिए अनिवार्य तत्त्व है–

(A) राष्ट्र के प्रति समर्पण भावना
(B) भाषा
(C) संस्कृति (D) उपर्युक्त सभी

उत्तर– (D) उपर्युक्त सभी

5. राष्ट्रीयता के विकास में बाधक तत्त्व नहीं है–

(A) देश-प्रेम (B) संकीर्णता
(C) स्वार्थता (D) कट्टरता

उत्तर– (A) देश-प्रेम।

6. **स्वार्थवश व्यक्ति किसे दाँव पर लगा देता है?**
(A) अपने घर को (B) अपने धन को
(C) राष्ट्रहित को (D) शत्रु को
उत्तर– (C) राष्ट्रहित को।

7. **'खाक-ए-वतन' का मुझको हर ज़र्रा देवता है।–किसका कथन है?**
(A) फिराक गोरखपुरी (B) इकबाल
(C) साहिर लुधियानवी (D) हसरत जयपुरी
उत्तर– (B) इकबाल।

8. **भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के राष्ट्रनायक है–**
(A) भगत सिंह (B) महात्मा गाँधी
(C) वीर सावरकर (D) उपर्युक्त सभी
उत्तर– (D) उपर्युक्त सभी।

9. **राष्ट्रीयता की सीमा-रेखा बनने वाला तत्त्व है–**
(A) जातीय हित
(B) वर्गीय हित
(C) सम्प्रदाय व समुदाय के हित
(D) ये सभी
उत्तर– (D) ये सभी।

10. **राष्ट्रीयता है–**
(A) एक मानवीय उपलब्धि
(B) मानवीय स्वभाव
(C) सामुदायिक जीवन-चक्र
(D) ये सभी
उत्तर– (D) ये सभी।

□□□

14 मानवता की राह

प्रश्न-अभ्यास

प्रश्न 1. 'मानवता' शब्द का अर्थ स्पष्ट करो।
उत्तर– मानवता शब्द का अर्थ 'मानव' होने का भाव है। केवल मानव देह धारण कर लेने से ही मानवता की सिद्धि नहीं हो जाती। इसके लिए मानवीय सद्गुणों का अपनाना आवश्यक है। ऐसे मानवीय सद्गुणों से ही मनुष्य की मनुष्यता प्रणामित होती है। मानवता व्यक्ति की आदर्श आचार-संहिता है। नैतिकता के बिना मानवता की प्राप्ति असंभव है। यह पशुत्व से देवत्व की ओर ले जाना वाला अभियान है।

प्रश्न 2. मानवता का 'छद्म' रूप किन कार्यों से प्रकट होता है?
उत्तर– मानवता का छद्म रूप निम्न कार्यों से प्रकट होता है–
(*i*) वाणी के स्तर पर मानवता का ढोंग करना।
(*ii*) जब कोई व्यक्ति मानवता के नाम पर अपना स्वार्थ पूरा करता है।

प्रश्न 3. मानवता की सच्ची परख किन परिस्थितियों में होती है?
उत्तर– मानवता की सच्ची परख विपरीत परिस्थितियों में होती है। मानवता कार्य रूप में परिणत होनी चाहिए। उदाहरण के लिए–देश और जाति की रक्षा के लिए गुरु गोबिन्द सिंह ने अपने पुत्रों की बलि चढ़ा दी। यही सच्ची मानवता है, जो विपरीत परिस्थितियों में भी दबती नहीं अपितु अपनी अमोघ शक्ति के साथ प्रस्फुटित हो ही जाती है।

प्रश्न 4. "जागा सो पाया, सोया सो खोया"–उक्ति का अर्थ (भाव) स्पष्ट करो।
उत्तर– 'जागा सो पाया, सोया सो खोया' उक्ति का अर्थ है कि जो जागता है अर्थात् संघर्ष करता है, परिश्रम करता है, वही सफलता प्राप्त करता है। इसके विपरीत जो सोता है, अर्थात् आलस्य करता है वह अपना सब कुछ खो देता है।

प्रश्न 5. आधुनिक युग में मानवता के लुप्त होने के कौन-कौन से प्रमुख कारण है?

उत्तर– प्रांतद्वेष, धर्मद्वेष, वर्णद्वेष और जातिद्वेष–आधुनिक युग में मानवता के लुप्त होने के प्रमुख कारण हैं। इन कारणों से आज मनुष्य संगठित होकर एक साथ विचार नहीं करता, वार्तालाप नहीं करता अपितु विद्रोह खड़ा कर देता है, जिससे मानवता का लोप होने लगता है।

प्रश्न 6. आपकी दृष्टि से सच्चे मानव में किन-किन गुणों का समावेश अनिवार्य है?

उत्तर– मेरी दृष्टि में सच्चे मानव में उदारता, दया, करुणा, सहिष्णुता, सहानुभूति, संवेदना, परोपकार जैसे गुणों का समावेश अनिवार्य है।

प्रश्न 7. मानवता के विकास में अनुवांशिकता तथा परिवेश की क्या भूमिका है?

उत्तर– मानवता के विकास में अनुवांशिकता तथा परिवेश-दोनों ही महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अपने निरंतर अभ्यास से व्यक्ति अपनी अनुवांशिक कमजोरियों, न्यूनताओं को दूर कर सकता है। इसी तरह वह अपने परिवेश से सारगर्भित तत्त्वों को ग्रहण कर सकता है। उदाहरण के लिए–राक्षस-कुल में जन्म लेकर और राक्षसी परिवेश में रहकर भी विभीषण अपने सात्त्विक चिंतन, अभ्यास आदि के बल पर अपनी मानवता बचा सके थे।

प्रश्न 8. विपरीत परिस्थितियों में भी विभीषण ने अपनी 'मानवता' को किस प्रकार बचाया था?

उत्तर– विपरीत परिस्थितियों में भी विभीषण ने अपने सतत सात्विक चिन्तन तथा अभ्यास के बल पर अपनी मानवता को बचाया था।

प्रश्न 9. प्रकृति अपने किन कार्यों द्वारा परोपकार हेतु प्रेरित करती है?

उत्तर– प्रकृति अपने अनेक कार्यों के द्वारा परोपकार हेतु प्रेरित करती है, जैसे–सूर्य द्वारा सारे संसार को प्रकाशित करना, पेड़ों द्वारा प्राणियों को मीठे फल देना, नदियाँ द्वारा जल देना, पहाड़ों द्वारा वनस्पतियाँ खनिज पदार्थ आदि देना।

प्रश्न 10. पौराणिक इतिहास से किन्हीं दो महापुरुषों के मानवता के पोषण कार्यों का वर्णन करो।

उत्तर– पौराणिक इतिहास से हम राम व कृष्ण दो महापुरुषों का उल्लेख कर सकते हैं, जिन्होंने मानवता के पोषण हेतु कार्य किए। राम ने मानवता के पोषण हेतु उत्तर भारत से लेकर दक्षिण भारत का आसुरी वृत्तियों वाले राक्षसों का वध किया तथा अपने अनेक कार्यों से मानवता का प्रसार किया। इसकी प्रकार द्वापर युग में श्रीकृष्ण ने अपनी बाँसुरी से प्रेम का तथा अपने शंख से अधर्म का नाश करके मानवता का संदेश दिया।

प्रश्न 11. राष्ट्र-निर्माण में मानवता कितनी सहायक है? उदाहरण सहित बताओ।

उत्तर– राष्ट्र–निर्माण में मानवता अत्यधिक सहायक है। यदि हर व्यक्ति दया, प्रेम, करुणा, सहानुभूति जैसे मानवीय गुणों को अपना ले तथा स्वार्थ, संकीर्णता, कट्टरता जैसे दुर्गुणों को त्याग दे, तब राष्ट्र–निर्माण का कार्य सहजता से संपन्न हो सकता है।

परीक्षोपयोगी अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्न

वस्तुनिष्ट प्रश्न

प्रश्न 1. भारतीय संस्कृति की क्या विशेषता है?

उत्तर– भारतीय संस्कृति में मानव-मात्र के कल्याण की भावना निहित है तथा इस संस्कृति की मूल भावना 'वसुधैव कुटुम्बकम' के पवित्र उद्देश्य पर आधारित है।

प्रश्न 2. जीवन-शुद्धि के लिए किन तत्त्वों का समन्वय आवश्यक है?

उत्तर– जीवन-शुद्धि के लिए धर्म, दर्शन एवं नीति इन तीन तत्त्वों का समन्वय होना अनिवार्य है।

प्रश्न 3. मानवता हमारी भलाई किस प्रकार करती है?

उत्तर– मानवता हमारे अन्दर कोमलता, नम्रता, तर्कसंगतता शिष्टता और वफादारी के बीज बोती है।

प्रश्न 4. ऋषि-मुनि मानवता के विषय में क्या कहते थे?

उत्तर– ऋषि-मुनि कहते थे कि ईश्वर की प्राप्ति का माध्यम दया है। 'जीव दया नामे रुचि' अर्थात् व्यक्ति में जीव मात्र के प्रति दया तथा प्रभु के नाम-स्मरण में रुचि होनी चाहिए।

प्रश्न 5. मानवता के गुण को प्रेषित करने के लिए किस गुण का होना अवश्यक है?

उत्तर– मानवता के गुण को प्रेषित करने के लिए सन्तोष का होना आवश्यक है।

Pdfkoo.com

प्रश्न 6. मनुष्य और रोबोट को अलग करने वाली कौन-सी वस्तु है?

उत्तर- मनुष्य और रोबोट को अलग करने वाली वस्तु मानवता है। यह मानवता ही मनुष्य के भीतर कोमलता, नम्रता, शिष्टता आदि के बीज बोती है।

बहु-विकल्पीय प्रश्नोत्तर

1. भारतीय ऋषियों ने विश्व-कल्याण की कामना करते हुए क्या लिखा है?

(A) सब सुखी हो (B) सब नीरोगी हो
(C) सबका कल्याण हो (D) उपर्युक्त सभी

उत्तर- (D) उपर्युक्त सभी।

2. जैनाचार्यों की दृष्टि में मुक्ति के लिए क्या आवश्यक नहीं है?

(A) सम्यक् नाम (B) सम्यक् दर्शन
(C) सम्यक् ज्ञान (D) सम्यक् चरित्र

उत्तर- (A) सम्यक् नाम।

3. मानवता क्या होने का भाव है-

(A) धर्म (B) कर्म
(C) मानव (D) ईश्वर

उत्तर- (C) मानव।

4. मानवता हमारी किस सच्चाई की प्रतीक है?

(A) धर्म की (B) आस्था की
(C) कर्म की (D) समर्पण की

उत्तर- (B) आस्था की।

5. मनु ने धर्म के कितने लक्षणों का उल्लेख किया है?

(A) दस (B) आठ
(C) नौ (D) ग्यारह

उत्तर- (A) दस।

6. मानवता हमारे अन्दर किसका बीज बोती है?

(A) कोमलता का (B) नम्रता का
(C) तर्क संगतता का (D) उपर्युक्त सभी का

उत्तर- (D) उपर्युक्त सभी का।

7. बाबा आमटे किन रोगियों की सेवा के लिए प्रसिद्ध है?

(A) क्षय (B) कुष्ठ
(C) कैंसर (D) पीलिया

उत्तर- (B) कुष्ठ।

8. मानवता पशुत्व से किस ओर से जाने वाला अभियान है?

(A) मनुजत्व (B) साधुत्व
(C) देवत्व (D) उपर्युक्त सभी

उत्तर- (C) देवत्व।

9. राक्षस कुल में जन्म लेकर राक्षसी परिवेश से घिरे रहकर भी कौन अपनी मानवता बचा सके थे?

(A) विभीषण (B) मेघनाथ
(C) अक्षय कुमार (D) अकंपन

उत्तर- (A) विभीषण।

10. वैज्ञानिक मार्टिन्यू के अनुसार विश्वास, विचार और आचार का समन्वय किसके लिए आवश्यक है?

(A) जीवन-मुक्ति (B) लौकिक सिद्धि
(C) जीवन-शुद्धि (D) ये सभी

उत्तर- (B) लौकिक सिद्धि।

11. किस महापुरुष ने जीवन-मुक्ति के लिए भक्ति-ज्ञान-कर्म का समन्वय अनिवार्य माना है?

(A) मार्टिन्यू (B) श्रीकृष्ण
(C) आचार्य विद्यासागर (D) मैथिलीशरण गुप्त

उत्तर- (B) श्रीकृष्ण।

12. धर्म, दर्शन एवं नीति-इन तीन तत्त्वों का समन्वय किसके लिए अनिवार्य है?

(A) जीवन-मुक्ति (B) लौकिक सिद्धि
(C) जीवन-शुद्धि (D) इनमें से कोई नहीं

उत्तर- (C) जीवन-शुद्धि।

13. समाज से किस भावना का लोप होने पर मानवता रसातल में चली जाएगी?

(A) उदारता (B) करुणा
(C) दया (D) अहंकार

उत्तर- (C) दया।

14. मनुष्य को सच्चा मानव बनाने वाला गुण है-

(A) दया (B) करुणा
(C) सहानुभूति (D) ये सभी

उत्तर- (D) ये सभी।

Pdfkoo.com

15

महात्मा बुद्ध व बोध कथाएँ

प्रश्न-अभ्यास

प्रश्न 1. किन दृश्यों से प्रभावित होकर गौतम बुद्ध का जीवन वैराग्य मार्ग की ओर मुड़ गया?

उत्तर– वृद्ध, रोगी, मृत व्यक्ति एवं संन्यासी–इन चार दृश्यों को देखकर गौतम-बुद्ध का जीवन वैराग्य की ओर मुड़ गया। मात्र 29 वर्ष की अवस्था में एक रात सिद्धार्थ अपने पुत्र व पत्नी को सोता हुआ छोड़कर गृह त्यागकर ज्ञान की खोज में निकल पड़े। सात दिन व सात रात समाधिस्थ रहने के बाद आठवें दिन वैशाख पूर्णिमा के दिन उन्हें सच्चे ज्ञान की अनुभूति हुई।

प्रश्न 2. गौतम बुद्ध व जिज्ञासु लड़के की बोध कथा से क्या शिक्षा मिलती है?

उत्तर– गौतम बुद्ध व जिज्ञासु लड़के की बोध कथा से यह शिक्षा मिलती है कि प्रशंसा होने पर व्यक्ति को अभिमान से फूलकर खुश नहीं हो जाना चाहिए तथा निन्दा की स्थिति में शांत बना रहना चाहिए। जो ऐसा करता है, वह सदा प्रसन्न रहता है। व्यक्ति के जीवन में समभाव की यह स्थिति तब आती है, जब उसका आत्मनियंत्रण सध जाता है।

प्रश्न 3. महात्मा बुद्ध ने क्रोध के विषय में क्या कहा है?

उत्तर– महात्मा बुद्ध ने क्रोध को अकुशल धम्म, पाप धम्म कहा है क्योंकि क्रोध के कारण व्यक्तिगत और सामाजिक जीवन की शन्ति भंग होती है।

प्रश्न 4. क्रोध हमारा शत्रु कैसे है?

उत्तर– क्रोध के कारण हमारा स्वयं पर नियंत्रण हट जाता है। ऐसा अवस्था में हम न करने वाला व्यवहार करने लगते हैं। हम दूसरों को अपशब्द कह देते हैं तथा दूसरे भी अपशब्द सुनकर हमें अपशब्द कहते हैं। कुछ समय पश्चात् हमें क्रोध की अवस्था में किए गए अपने व्यवहार पर पश्चाताप होने लगता है। इस प्रकार क्रोध हमें क्रोधावस्था एवं उसके बाद की अवस्था दोनों में कष्ट पहुँचाता है। अत: यह हमारा शत्रु है।

प्रश्न 5. अनुकूल-प्रतिकूल स्थिति में प्रसन्न रहने का क्या भाव है?

उत्तर– अनुकूल-प्रतिकूल स्थिति में प्रसन्न रहने का भाव समभाव है। समभाव आत्मनियंत्रण के सध जाने पर आता है।

प्रश्न 6. महात्मा बुद्ध के अनुसार सच्चा ज्ञानी कौन है?

उत्तर– महात्मा बुद्ध के अनुसार सच्चा ज्ञानी वह है जो जीवन में सीखी गई बातों पर अमल करता है। सच्चा ज्ञानी अपने ज्ञान के अनुसार कर्म करते हुए क्रोध को अक्रोध से, बुराई को अच्छाई से, अनुदारता को उदारता से और असत्य को सत्य से जीत लेता है।

प्रश्न 7. महात्मा बुद्ध ने अपना सर्वप्रथम उपदेश कहाँ दिया व उनके सभी उपदेश किस ग्रन्थ में संकलित हैं?

उत्तर– महात्मा बुद्ध ने अपना सर्वप्रथम उपदेश सारनाथ में दिया। उनके सभी उपदेश 'त्रिपिटक' ग्रंथ में संकलित हैं।

प्रश्न 8. कहीं पहुँचना है तो चलना होगा, का भाव स्पष्ट करो।

उत्तर– 'कहीं पहुँचना है तो चलना होगा'–का भाव यह है कि जीवन में सीखी हुई बातों का प्रभाव तभी पड़ता है, जब उन पर अमल किया जाए। ज्ञान के अनुसार कर्म न होने पर वह व्यर्थ है।

प्रश्न 9. किस बात पर अमल न किया जाए तो ज्ञान व्यर्थ है, दैनिक जीवन से उदाहरण देकर स्पष्ट करो।

उत्तर– यह उचित ही कहा गया है कि यदि ज्ञान की बात पर अमल न किया जाए तो ज्ञान व्यर्थ है। इस बात को हम अपने दैनिक जीवन में चरितार्थ होते देख सकते हैं। उदाहरणार्थ यदि हम तैरना सीखने का मौखिक ज्ञान तो प्राप्त कर लेते हैं परन्तु वास्तव में किसी सरोवर में जाकर तैरने की कोशिश करके उस ज्ञान पर अमल नहीं करते तो हमारा तैरना सीखने संबंधी ज्ञान व्यर्थ चला जाता है। जीवन के तमाम अन्य क्षेत्रों में भी यही बात लागू होती है।

परीक्षोपयोगी अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्न

वस्तुनिष्ट प्रश्न

श्न 1. किन महान विचारों को आत्मसात् करते हुए महात्मा बुद्ध ने बौद्ध की स्थापना की?

तर– जो नित्य एवं स्थायी प्रतीत होता है, वह भी विनाशी है; जहाँ जन्म है, वहाँ मरण भी है–ऐसे महान विचारों को आत्मसात् करते हुए महात्मा बुद्ध ने बौद्धमत की स्थापना की।

श्न 2. जिज्ञासु बालक ने क्या-क्या सीखा?

तर– जिज्ञासु बालक ने तीर बनाने वाले से तीर बनाना, नाव बनाने वाले से नाव बनाना, मकान बनाने वाले से मकान बनाना तथा बाँसुरी बजाने वाले से बाँसुरी बजाना सीखा।

श्न 3. महात्मा बुद्ध को सच्चे ज्ञान की अनुभूति कब और कैसे हुई?

तर– गया के वट वृक्ष के नीचे सात दिन व सात रात समाधि में लीन रहने के बाद महात्मा बुद्ध को आठवें दिन वैशाख पूर्णिमा के दिन सच्चे ज्ञान की अनुभूति हुई।

श्न 4. 'त्रिपिटक' क्या है?

तर– 'त्रिपिटक' बौद्ध मत का एक पवित्र गंथ है जिसमें बौद्ध मत के उपदेशों का संकलन किया गया है।

वहु-विकल्पीय प्रश्नोत्तर

1. बौद्ध मत के संस्थापक हैं–
(A) महात्मा बुद्ध (B) महात्मा गाँधी
(C) महावीर स्वामी (D) तुलसीदास
उत्तर– (A) महात्मा बुद्ध।

2. महात्मा बुद्ध का जन्म कब हुआ?
(A) 563 ई. में (B) 563 ई. पू.
(C) 462 ई. में (D) 462 ई. पू.
उत्तर– (B) 563 ई. पू.।

3. महात्मा बुद्ध की माता क्या का नाम था?
(A) कौशल्या (B) सुमित्रा
(C) महामाया (D) गौतमी
उत्तर– (C) महामाया।

4. महात्मा बुद्ध के पिता का क्या नाम था?
(A) महापद्मनंद (B) विम्बिसार
(C) दशरथ (D) शुद्धोधन
उत्तर– (D) शुद्धोधन।

5. महात्मा बुद्ध के वचपन का क्या नाम था?
(A) सिद्धार्थ (B) कृणाल
(C) राहुल (D) लक्ष्येश
उत्तर– (A) सिद्धार्थ।

6. महात्मा बुद्ध का विवाह कितने वर्ष की आयु में हुआ?
(A) 15 वर्ष (B) 16 वर्ष
(C) 17 वर्ष (D) 18 वर्ष
उत्तर– (B) 16 वर्ष।

7. महात्मा बुद्ध की पत्नी का क्या नाम था?
(A) श्रावणी (B) मनोरमा
(C) यशोधरा (D) हेमवती
उत्तर– (C) यशोधरा।

8. महात्मा बुद्ध के पुत्र का क्या नाम था।
(A) दीपक (B) प्रदीप
(C) नवीन (D) राहुल
उत्तर– (D) राहुल।

9. महात्मा बुद्ध कितने वर्ष की अवस्था में गृह त्यागकर ज्ञान की खोज में निकल पड़े?
(A) 29 वर्ष (B) 30 वर्ष
(C) 31 वर्ष (D) 31 वर्ष
उत्तर– (A) 29 वर्ष।

10. महात्मा बुद्ध को सच्चे ज्ञान की अनुभूति किस दिन हुई?
(A) छठे दिन (B) आठवें दिन
(C) दसवें दिन (D) सातवें दिन
उत्तर– (B) आठवें दिन।

11. महात्मा बुद्ध ने अपना पहला उपदेश कहाँ दिया?
(A) लुम्बिनी (B) गया
(C) सारनाथ (D) पटना
उत्तर– (C) सारनाथ।

12. बौद्ध धर्म के उपदेशों का संकलन किसके अंतर्गत किया गया है?
(A) ग्रंथ साहिब (B) बीजक
(C) नीतिशतक (D) त्रिपिटक
उत्तर– (D) त्रिपिटक।

13. महात्मा बुद्ध का जन्म कहाँ हुआ था?
(A) देवदह (B) लुम्बिनी
(C) गया (D) अयोध्या
उत्तर– (B) लुम्बिनी।

14. महात्मा बुद्ध को सच्चे ज्ञान की प्राप्ति वाली घटना को क्या कहा जाता है?
(A) सम्बोधि (B) त्रिपिटक
(C) देवदह (D) समभाव
उत्तर– (A) सम्बोधि।

□□□

Padkoo.com

16

संकट में बुद्धिमानी

प्रश्न-अभ्यास

प्रश्न 1. पलित नाम का चूहा सौ दरवाजे वाले बिल में क्यों रहता था?

उत्तर– पलित नाम का चूहा सौ दरवाजों वाले बिल में इसलिए रहता था ताकि किसी एक दरवाजे से कोई विपत्ति आने पर अन्य दरवाजे से अपनी जान बचाकर भाग सके।

प्रश्न 2. लोमश बिलाव के जाल में फँसने पर पलित निर्भय क्यों हो गया?

उत्तर– लोमश बिलाव वस्तुतः पलित चूहे का पक्का शुत्र था। लोमश बिलाव के जाल में फँसने पर पलित चूहा इसलिए निर्भय हो गया क्योंकि अब वह बिलाव जो उसका परम शत्रु था न तो उस पर हमला कर सकता था, न उसे मार सकता था।

प्रश्न 3. किन स्थितियों में चूहा बिलाव की शरण में चला गया?

उत्तर– पलित चूहा लोमश बिलाव के जाल में फँसे होने के कारण निर्भय होकर वन में अपना आहार खोजकर खा रहा था। तभी वह अपने शत्रु हरिण नामक नेवले और चन्द्रक नामक उल्लू से इस प्रकार घिर गया कि उसे उनसे अपने प्राणों का भय हो गया। इसी विकट परिस्थिति में वह जाल में फँसे बिलाव की शरण में चला गया।

प्रश्न 4. चूहे और बिलाव के बीच क्या समझौता हुआ?

उत्तर– चूहे और बिलाव के बीच यह समझौता हुआ कि बिलाव सबसे पहले चूहे की रक्षा करेगा। बाद में चूहा बिलाव के बन्धन काटकर उसे चाण्डाल से बचाएगा।

प्रश्न 5. चूहे ने बिलाव के बन्धन काटने में जान-बूझकर देरी क्यों की?

उत्तर– चूहे ने बिलाव के बन्धन काटने में जानबूझकर देरी इसलिए कि क्योंकि यदि वह चाण्डाल के आने से पहले बिलाव के बन्धन काट देता तो बिलाव उसे मारकर खा जाता।

प्रश्न 6. अपने से बलवान के साथ सन्धि करने के बाद भी उससे सावधान रहना चाहिए। क्यों?

उत्तर– अपने से बलवान से सन्धि करने के बाद भी उससे सावधान इसलिए रहना चाहिए क्योंकि बलवान कभी भी निर्बल को अपना शिकार बना सकता है।

प्रश्न 7. क्या चूहे ने बिलाव की चिकनी-चुपड़ी बातों पर विश्वास न करके, समझदारी का परिचय दिया? हाँ या नहीं के पक्ष में विचार करो।

उत्तर– हाँ, चूहे ने बिलाव की चिकनी-चुपड़ी बातों पर विश्वास न करके, समझदारी का परिचय दिया। यदि चूहा बिलाव की चिकनी-चुपड़ी बातों पर विश्वास कर लेता तो बिलाव अवश्य ही उसे मारकर खा जाता।

प्रश्न 8. बिलाव से पीछा छुड़ाने के लिए चूहे ने अन्त में क्या कहा?

उत्तर– बिलाव से पीछा छुड़ाने के लिए अंत में चूहे ने कहा कि आप वास्तव में बड़े साधु हैं। आप पर मैं पूर्ण प्रसन्न हूँ, फिर भी मैं आप में विश्वास नहीं कर सकता। मुझे आपसे सर्वथा सावधान रहना चाहिए और आपको भी जन्म शत्रु चाण्डाल से बचना चाहिए।

प्रश्न 9. 'मित्रता या शत्रुता स्थायी नहीं होती।' इस विचार से आप कहाँ तक सहमत हैं?

उत्तर– 'मित्रता या शत्रुता स्थायी नहीं होती'–हम इस विचार से पूरी तरह सहमत हैं। इस विषय में हमें पलित चूहे के कथन से पूरी तरह सहमत हैं कि मित्रता तभी तक निभती है, जब तक स्वार्थ से विरोध नहीं आता। मित्र वही बन सकता है, जो कुछ काम आ सके तथा जिसके मरने से कुछ हानि हो। स्वार्थ की अनुकूलता और प्रतिकूलता से

ही मित्र और शत्रु बनते रहते हैं। समय के फेर से कभी मित्र ही शत्रु तथा कभी शत्रु ही मित्र बन जाता है। अपने जीवन में भी हमें इस तथ्य के उदाहरण हर तरफ दिखाई दे जाते हैं।

परीक्षोपयोगी अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्न

वस्तुनिष्ट प्रश्न

प्रश्न 1. लोमश बिलाव की शरण में जाने की सोचकर पलित चूहे ने उससे क्या कहा?

उत्तर– लोमश बिलाव की शरण में जाने की सोचकर पलित चूहे ने उससे कहा कि यदि तुम मुझे मारना न चाहो तो मैं तुम्हारा उद्धार कर सकता हूँ। उससे हम दोनों का हित हो सकता है। देखो ये नेवला और उल्लू मेरी घात में बैठे हुए हैं। अब तुम मेरी रक्षा करो और तुम जिस जाल को काटने में असमर्थ हो, मैं उसे काटकर तुम्हारी रक्षा कर लूँगा।

प्रश्न 2. पलित चाण्डाल के आने के समय से पहले लोमश के सारे बंधन क्यों नहीं काटना चाहता था?

उत्तर– पलित चूहा चाण्डाल के आने से पहले लोमश बिलाव के सारे बंधन इसलिए नहीं काटना चाहता था क्योंकि इससे स्वयं उसकी जान को भय हो सकता था। लोमश बिलाव उसे पकड़कर खा सकता था।

प्रश्न 3. जिस मित्र से भय की संभावना हो, उसका काम किस प्रकार करना चाहिए?

उत्तर– जिस मित्र से भय की संभावना हो, उसका काम इस प्रकार करना चाहिए, जैसे बाजीगर सर्प के साथ उसके मुँह से हाथ बचाकर खेलता है।

प्रश्न 4. चाण्डाल के जाने के बाद लोमश ने पलित को किस तरह अपने पास बुलाना चाहा?

उत्तर– चाण्डाल के जाने के बाद लोमश बिलाव ने बड़ी ही मीठी बातें बोल कर उसे अपने पास बुलाना चाहा।

बहु–विकल्पीय प्रश्नोत्तर

1. पलित नाम के चूहा कितने दरवाजों वाले बिल में रहता था?

(A) 100 (B) 75
(C) 50 (D) 25

उत्तर– (A) 100

2. चाण्डाल के जाल में कौन फँस गया था?

(A) नेवला (B) बिलाव
(C) चूहा (D) उल्लू

उत्तर– (B) बिलाव।

3. बिलाव का क्या नाम था?

(A) हारिण (B) पलित
(C) लोमश (D) चन्द्रक

उत्तर– (C) लोमश।

4. नेवले का क्या नाम था?

(A) चन्द्रक (B) लोमश
(C) पलित (D) हरिण

उत्तर– (D) हरिण।

5. उल्लू का क्या नाम था?

(A) चन्द्रक (B) पलित
(C) हरिण (D) लोमश

उत्तर– (A) चन्द्रक।

6. 'संकट में बुद्धिमानी' पाठ का सर्वाधिक बुद्धिमान पात्र है–

(A) बिलाव (B) चूहा
(C) चाण्डाल (D) उल्लू

उत्तर– (B) चूहा।

7. किस समय में काम करने से कर्ता को हानि ही होती है?

(A) अच्छे समय में (B) दिन में
(C) असमय में (D) रात में

उत्तर– (C) असमय में।

8. लोमश को चाण्डाल किसके समान दिखाई पड़ता था?

(A) पशु (B) देवता
(C) राक्षस (D) यमदूत

उत्तर– (D) यमदूत।

9. मित्रता कब तक निभती है?

(A) जब तक स्वार्थ से विरोध नहीं आता।
(B) जब तक किसी का मन कटता है।
(C) जब तक एक मित्र गरीब होता है।
(D) उपर्युक्त सभी

उत्तर– (A) जब तक स्वार्थ से विरोध नहीं आता।

10. लोमश ने पलित चूहे को किसके समान बुद्धिमान बताया?

(A) बीरबल (B) शुक्राचार्य
(C) तेनालीराम (D) बृहस्पति

उत्तर– (B) शुक्राचार्य।

□□□

17 नियम–अनुशासन: सभ्यजीवन का आधार

प्रश्न-अभ्यास

प्रश्न 1. उक्त श्लोक का भावार्थ क्या है?

उत्तर– उक्त श्लोक का भावार्थ है–सृष्टि का चक्र नियमों में चल रहा है। जो नियमों के अनुसार नहीं चलता, वह केवल इन्द्रियों के सुख में ही रमण करने वाला, वहीं तक सीमित रहता हुआ, जीवन व्यर्थ कर लेता है।

प्रश्न 2. सृष्टि के नियम-चक्र को समझने की क्या आवश्यकता है?

उत्तर– सृष्टि के निमय-चक्र को समझने भी वहुत वड़ी आवश्यकता है। प्रकृति परमात्मा ने जिस यज्ञ भाव से सृष्टि वनाई और यह चल रही है, उसी यज्ञ भाव से मनुष्य इसे मानकर इसका प्रयोग करेगा तो कठिनाई नहीं होगी। शरीर का संचालन परमात्मा की शक्ति से है, शरीर को नियम, संयम में रखा तो ही अच्छा है, अन्यथा कठिनाइयाँ होंगी।

प्रश्न 3. समस्याएँ क्यों हैं तथा इनका समाधान क्या है?

उत्तर– शरीर या प्रकृति की व्यवस्था-विकृतियाँ परमात्मा ने वनाई हैं। इसमें समस्याएँ तभी उत्पन्न होती हैं जव हम नियम-संयम से नही चलेंगे। नियय-संयम से न चलने से उत्पन्न समस्याओं का समाधान नियम-संयम अनुशासन में चलकर ही हो सकता है।

प्रश्न 4. नियम संयम हर क्षेत्र में क्यों आवश्यक है?

उत्तर– नियम-संयम हर क्षेत्र में इसलिए आवश्यक है क्योंकि नियम-संयम हर क्षेत्र को सुचारु रूप से, व्यवस्थित तरीके से, समस्याओं का समाधान करते हुए चलाने में सहायक है। स्वयं प्रकृति भी अपना संचालन नियम व संयमपूर्वक करती है। अत: मनुष्य के लिए भी - . क्षेत्र में नियम-संयम आवश्यक है।

प्रश्न 5. हमें इस गीता श्लोक से क्या प्रेरणा एवं संकल्प लेना है?

उत्तर– हमें इस गीता श्लोक से अपने जीवन को नियम-संयम व अनुशासनपूर्वक जीने की प्रेरणा व संकल्प लेना है। यदि हम अपने जीवन को नियम-संयम व अनुशासनपूर्वक जिएँगे तो हमारा जीवन आनंद का स्रोत वन जाएगा। हम स्वस्थ रहेंगे तथा हमारा जीवन समस्याओं एवं वाधाओं से रहित रहेगा।

प्रश्न 6. शरीर को नियम व संयम में रखने के क्या लाभ हैं?

उत्तर– शरीर को नियम व संयम में रखने के निम्नलिखित लाभ हैं–

(*i*) शरीर नियम व संयमपूर्वक होने पर सदैव स्वस्थ रहता है।

(*ii*) शरीर नियम व संयमपूर्वक होने पर गतिशील रहता है।

(*iii*) शरीर को नियम व संयम में रखने से घर व समाज की व्यवस्था वनी रहता है।

(*iv*) शरीर को नियम व संयम में रखने से दुर्घटनाओं में कमी आती है।

प्रश्न 7. घर-परिवार व विद्यालय को सुचारु रूप से चलाने के क्या-क्या उपाय होते हैं?

उत्तर– घर-परिवार व विद्यालय को सुचारु रूप से चलाने के लिए कुछ नियम वनाने होंगे। घर-परिवार व विद्यालय के समस्त सदस्यों को हर हाल में उन नियमों का पालन करना होगा। यदि वहाँ का कोई भी व्यक्ति नियमों का पालन न करके अपने मनमाने ढंग से व्यवहार करेगा तो निश्चय ही वहाँ की व्यवस्था भंग होगी।

प्रश्न 8. युवाओं को अपनी शक्ति (ऊर्जा) किस दिशा में लगानी चाहिए?

उत्तर– युवाओं को अपनी शक्ति (ऊर्जा) जीवन के हर क्षेत्र में नियम पालन को अपना स्वभाव बनाने में लगानी चाहिए।

युवा चाहे विद्यालय में हैं या कार्यालय में; वाहन चला रहे हैं या कुछ और कर रहे हैं हर क्षेत्र में नियमों का पालन उनकी ऊर्जा को महानता की ओर ले जा सकता है।

प्रश्न 9. 'असभ्य' शब्द किसका द्योतक है?

उत्तर– 'असभ्य' शब्द–अशिष्ट, अननुशासित, अमर्यादित अव्यवस्थित आदि धृष्ट आचरण का द्योतक है।

प्रश्न 10. जीवन की ऊँचाइयाँ छूने के क्या-क्या सोपान होते हैं?

उत्तर– जीवन की ऊँचाइयाँ छूने के अनेक सोपान होते हैं। लेकिन इसका प्रथम सोपान नियम-संयम व अनुशासन का पालन ही है। इसके अतिरिक्त पढ़ाई, खेल, कौशल, कलाएँ आदि जीवन की ऊँचाइयाँ छूने में सहायक द्वितीयक सोपान हैं।

परीक्षोपयोगी अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्न

वस्तुनिष्ट प्रश्न

**प्रश्न 1. "एवं प्रवर्तितं चक्रं नानुवर्तयतीह यः।
अघायुरिन्द्रियारामो मोघं पार्थ स जीवति॥"
–श्लोक का अर्थ लिखिए।**

उत्तर– इस श्लोक में कृष्ण अर्जुन से कहते हैं कि जो मनुष्य इस लोक में परंपरा से प्रचलित सृष्टि चक्र के अनुसार नहीं चलता, वह इन्द्रियों के द्वारा भोगों में रमण करने वाला, पापमय जीवन विताने वाला मनुष्य संसार में व्यर्थ ही जीता है।

प्रश्न 2. 'भगवद्गीता' को अनूठा ग्रंथ क्यों कहा गया है।

उत्तर– 'भगवद्गीता' को अनूठा ग्रंथ इसलिए कहा गया है क्योंकि इसके प्रत्येक श्लोक में प्रेरणा लेने के लिए वहुत कुछ है।

प्रश्न 3. घर-परिवार, कार्यलयों की व्यवस्था कब अच्छे से चल सकती है?

उत्तर– घर-परिवार की व्यवस्था तभी अच्छे ढंग से चल सकती है, जब इन स्थानों पर नियमों का पालन हो।

प्रश्न 4. ट्रैफिक नियमों का पालन न करने का क्या दुष्परिणाम हो सकता है?

उत्तर– ट्रैफिक नियमों का पालन न करके हम दुर्घटनाओं को निमंत्रण देते हैं, जिसमें कभी-कभी हम अपने जीवन को भी व्यर्थ ही गँवा सकते हैं।

वहु-विकल्पीय प्रश्नोत्तर

1. 'नियम-अनुशासनः सभ्य जीवन का आधार' –पाठ का आधार है–
(A) गीता का एक श्लोक
(B) वेद की एक ऋचा
(C) मानस की एक चौपाई
(D) वीजक की एक साखी
उत्तर– (A) गीता का एक श्लोक।

2. पाठ में वर्णित गीता का श्लोक किस प्रकार जीवन जीने की प्रेरणा देता है?
(A) नियमपूर्वक (B) संयमपूर्वक
(C) अनुशासनपूर्वक (D) उपर्युक्त सभी
उत्तर– (D) उपर्युक्त सभी।

3. शरीर का संचालन किसकी शक्ति से है?
(A) भोजन (B) धन
(C) परमात्मा (D) मनुष्य
उत्तर– (C) परमात्मा।

4. सड़क पर किस ओर चलने का नियम है?
(A) दाईं ओर (B) वाईं ओर
(C) वीच में (D) कहीं भी
उत्तर– (B) वाईं ओर।

5. आप निम्नलिखित में से कौन-सा वाहन चलाते समय हैलमेट का प्रयोग करेंगे–
(A) मोटर साइकिल (B) साइकिल
(C) कार (D) ऑटो
उत्तर– (A) मोटर साइकिल।

6. .... से अनभिज्ञता कोई वहाना नहीं है।
(A) किसी का पता (B) कानून
(C) धर्म (D) रिवाज
उत्तर– (B) कानून।

7. नियम-अनुशासन अच्छे, सभ्य, मर्यादित जीवन का कौन-सा सोपान है?
(A) चतुर्थ (B) तृतीय
(C) द्वितीय (D) प्रथम
उत्तर– (D) प्रथम।

pdfkoo.com